हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 30 | अलीगढ़, बुधवार, 13 सितम्बर 2023 | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रूपये

यूपी में नई बनने वाली हर सड़क की पांच साल की हो गारंटी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बनने वाली हर सड़क की पांच वर्ष की गारंटी होनी चाहिए। अगर खराब हो तो निर्माता एजेंसी ही पुनर्निर्माण करे। सोमवार को विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष मॉनसून की स्थिति असामान्य है। आने वाले दिनों में कई जिलों में लगातार बारिश की संभावना है। इसका ध्यान रखते हुए नवंबर में दीपावली से पूर्व प्रदेशव्यापी सड़क गड्ढामुक्ति का अभियान चलाया जाए। उन्होंने सभी विभागों को यह निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क बनाने वाली एजेंसीध्ठेकेदार सड़क बनने के अगले पांच वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। इस बारे में नियम–शर्ते स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी नवंबर में दीपावली से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जहां बरसात की स्थिति हो वहां, बोल्डर डालकर रोलर चलाकर आवागमन सुगम किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, मंडी परिषद, सिंचाई, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, आवास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आदि विभागों की करीब चार

लाख किलोमीटर सड़कें हैं। हर एक सड़क पर चलना आम आदमी के लिए सुखद अनुभव वाला हो, यह सभी की जिम्मेदारी है। मेट्रो,एक्सप्रेस–वे जैसी बड़ी परियोजनाओं के कारण यदि पूर्व से संचालित सड़कें खराब होती हैं तो खराब होने के कारक विभाग को उत्तरदायी बनाया जाएगा। गड्ढा मुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्ययोजना से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है, आवश्यकता है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। अभियंताओं को निर्माण कार्य का बैकबोन की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि कहीं भी अभियंताओं की कमी न हो, आवश्यकता पड़े तो आउटसोर्सिंग से भी तैनाती की जानी चाहिए। विभागीय मंत्रियों व अधिकारियों को फील्ड में रैंडम दौरा निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज्ड किये जाने पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अभियंताओं की तैनाती केवल मेरिट के आधार पर ही किया जाए। प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि कहीं भी लोकहित से जुड़ी किसी परियोजना में माफिया,अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को स्थान न मिले। उनके करीबी रिश्तेदारों और गैंग के गुर्गों को भी ठेके–पट्टे से दूर रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गड्ढामुक्ति और नवनिर्माण के अभियान की जियो टैगिंग कराई जाए। इसे पीएम गतिशक्ति पोर्टल से जोड़ा जाना चाहिए, साथ ही इसी तर्ज पर अपना पोर्टल भी विकसित किया जाना चाहिए ताकि कार्य की गुणवत्ता की अनवरत मॉनिटरिंग की जा सके। नगर विकास व ग्राम्य विकास विभाग को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के कारण यदि कहीं जलभराव होता है तो तत्काल उसकी निकासी सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारी सड़कों पर मौजूद रहे। नगरों में आवारा श्वान की समस्या की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित एनिमल बर्थ कंट्रोल इकाइयों के शीघ्र क्रियान्वयन के अलावा अन्य उपयोगी प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।

किसानों के लिए योगी ने दिया निर्देश, भारी बारिश से बर्बाद फसलों का मिलेगा मुआवजा

लखनऊ(संवाददाता)। देश के अधिकतर राज्यों की तरह उत्तर प्रदेश के भी कई जिलों में पिछले 2 दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है। राज्यों के अलग–अलग जिलों से

जलभराव की कई तस्वीरें सामने आई हैं। लगातार हो रही इस भारी बारिश की मार किसानों पर भी पड़ रही है। इस दौरान खेतों में लगी हुई खरीफ की फसलें मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मूंगफली, गन्ना, सोयाबीन, उड़द बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। जिसको लेकर उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फसलों के नुकसान का आकलन करके प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार हो रही बारिश से हो रहे नुकसान को देखते हुए राज्य में प्रभावित जिलों के अधिकारियों को राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को आपदा से प्रभावित लोगों को तुरंत राहत राशि देने को कहा है। जलभराव की स्थिति में जलनिकासी का तुरंत प्रबंध करने के आदेश दिए गए हैं। इसके आलावा सीएम ने अधिकारियों को नदियों के जलस्तर की निगरानी रखने को कहा है।बताया जा रहा है कि अगस्त महीने में बारिश ना होने के कारण किसान काफी परेशान थे। उनकी खरीफ की फसल अब सूखने लगी थी। जिसमें धान की फसल को ज्यादा नुकसान हो रहा था। अब हो रही लगातार बारिश से किसानों के चेहरों पर मुस्कान आ गई है क्योंकि किसान काफी लंबे समय से बारिश के आने का इंतजार कर रहे थे। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक, दलहनी और धान की फसलों के लिए यह बारिश वरदान है। इससे इन फसलों के विकास में काफी सहायता मिलेगी। आशंका जताई जा रही है कि भारी बारिश के चलते सोयाबीन, कपास, प्याज और उड़द की फसलों को नुकसान पहुंचेगा। इसके अलावा जिन इलाकों में गन्ने की फसल लगी हुई है, वहां भी बारिश से किसानों को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। हालांकि लगातार हो रही भारी बारिश और हवा के चलते खेत में ही गन्ने की फसल गिरने लगेगी। आपको बता दें कि यूपी गन्ना उत्पादन के मामले में अव्वल माना जाता है। लेकिन अगर मौसम ऐसा ही रहा तो गन्ने की खेती करने वाले किसानों के सामने जीवनयापन तक का भी संकट आ सकता है।

भाजपा में शामिल होने के बाद बोली ज्योति मिर्धा, कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की हो रही है अनदेखी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने राजस्थान में कानून व्यवस्था की खराब हालत का जिक्र करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है, कई लोग वहां घुट रहे हैं। लेकिन अपनी बात ऊपर तक पहुंचाने के बाद भी कांग्रेस आलाकमान इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है इसलिए लोग कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। सोमवार को भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पार्टी का दामन थामने के बाद कांग्रेस आलाकमान और राज्य की गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए नागौर से कांग्रेस की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने कहा कि राजस्थान की हालत दयनीय हो गई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के कारण उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है।उन्होंने कहा कि 2023 में होने वाले विधान सभा चुनाव और 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में वह भाजपा को राजस्थान में बड़ी जीत दिलाने के लिए प्रयास करेंगी।

वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह और राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने ज्योति मिर्धा के पार्टी में आने से भाजपा के राजस्थान में मजबूत होने का दावा करते हुए कानून व्यवस्था और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ रहे आपराधिक घटनाओं का जिक्र कर प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा। दरअसल, राजस्थान में विधान सभा चुनाव की घोषणा से पहले ही भाजपा ने कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए पार्टी की पूर्व लोक सभा सांसद ज्योति मिर्धा को अपनी पार्टी में शामिल करा लिया है। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी और राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की मौजूदगी में पार्टी के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मुख्ययाल में ज्योति मिर्धा ने सोमवार को भाजपा का दामन थाम लिया।

इसके साथ ही रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और कांग्रेस के पूर्व विधायक के पुत्र सवाई सिंह चौधरी ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। आपको बता दें कि, राजस्थान की राजनीति में मिर्धा परिवार का अपना एक राजनीतिक कद रहा है जिसका फायदा कांग्रेस को मिलता रहा है। ज्योति मिर्धा राजस्थान कांग्रेस के दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती हैं और 2009 के लोक सभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर नागौर सीट से चुनाव जीत कर वह सांसद भी रह चुकी हैं। लेकिन 2014 के लोक सभा चुनाव में उन्हें भाजपा उम्मीदवार सीआर चौधरी और 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समर्थित एनडीए उम्मीदवार राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी मुखिया हनुमान बेनीवाल से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन चूंकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी मुखिया हनुमान बेनीवाल अब एनडीए से किनारा कर चुके हैं, ऐसे में यह माना जा रहा है कि भाजपा 2024 के लोक सभा चुनाव में उन्हें नागौर लोक सभा क्षेत्र से उम्मीदवार बना सकती है, हालांकि इससे पहले उन्हें इस वर्ष के अंत तक राज्य में होने वाले विधान सभा चुनाव में अपनी राजनीतिक ताकत दिखानी होगी। यह माना जा रहा है कि राजस्थान के जाट समुदाय खासकर जाट मतदाता बाहुल्य लोक सभा क्षेत्र नागौर में वोटरों को साधने के लिए भाजपा ने उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कराया है ताकि विधान सभा चुनाव में भी भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाया जा सके। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि 18–22 सितंबर के सत्र के लिए अब तक कोई एजेंडा घोषित नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने विपक्ष और संसदीय मामलों की समिति सहित किसी से भी पूछे बिना यह सत्र बुलाया है। उन्होंने पूछा, श्कोविड–19 संकट, नोटबंदी, मणिपुर हिंसा के दौरान ऐसा कोई विशेष सत्र नहीं बुलाया गया, तो अब क्यों? पटोले ने यह भी आरोप लगाया कि सत्र का उद्देश्य ष्देश को विभाजित करना और मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने और इसे केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मोदी सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि मुंबई वैश्विक महत्व का शहर है, देश का वित्तीय केंद्र है, राज्य और राष्ट्र का गौरव है, और भाजपा पिछले नौ वर्षों से व्यवस्थित रूप से इसके महत्व को कम करके इस पर नजर गड़ाए हुए है। उन्होंने कहा, "यह लंबे समय से चल रहा है, ग्लोबल फाइनेंशियल सेंटर को गुजरात ले जाया गया, हीरा उद्योग को वहां स्थानांतरित कर दिया गया, एयर इंडिया मुख्यालय को भी हटा दिया गया है। अब, ऐसा कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र से मुंबई को अलग करने की बड़ी साजिश के तहत बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को स्थानांतरित करने की योजना है। पटोले ने यह भी तर्क दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी)–कांग्रेस–राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की महा विकास अघाड़ी सरकार के शासन के दौरान यह सब संभव नहीं था, यही कारण था कि इसे केंद्र सरकार और तत्कालीन राज्यपाल की मदद से गिरा दिया गया था। उन्होंने कहा, "हालांकि, जब से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार सत्ता में आई है, मुंबई और महाराष्ट्र की कई बड़ी परियोजनाओं को गुजरात में हाइजैक कर लिया गया है। न तो शिंदे और न ही उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने इस सबका विरोध करने की हिम्मत की। उन्होंने कहा कि अगर शिंदे–फडणवीस–अजित पवार में साहस है, तो उन्हें शहर और राज्य के लोगों को नुकसान पहुंचाकर सभी प्रमुख परियोजनाओं, संस्थानों और कार्यालयों को मुंबई से बाहर ले जाने के लिए प्रधानमंत्री से सवाल करना चाहिए।

हिमाचल में बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करेंगी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। वह यहां कई राहत कार्यों का भी उद्घाटन करेंगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने यात्रा का विवरण साझा करते हुए कहा कि प्रियंका गांधी मनाली, कुल्लू, मंडी, शिमला और सोलन जिलों का दौरा करेंगी, जो हाल ही में आई भारी बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। पार्टी नेता ने कहा कि वह पहाड़ी राज्य में कई राहत कार्यों का भी उद्घाटन करेंगी और लोगों से उनकी समस्याओं पर बातचीत करेंगी। जुलाई और अगस्त में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ देखी गई, जिससे 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण कई घर भी नष्ट हो गये। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार से राहत पैकेज की मांग की है।

9 सितंबर को सुक्खू ने नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की, और राज्य के हितों से

संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पीएम को नुकसान की गंभीरता से अवगत कराया और इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 400 से अधिक लोग मारे गए और 13,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए। उन्होंने कहा कि आपदा के परिणामस्वरूप राज्य को 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। सुक्खू ने यह भी कहा कि हिमाचल को पुनर्निर्माण और सुधार की राह तैयार करने के लिए केंद्र सरकार से पर्याप्त सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री से भुज और केदारनाथ त्रासदी के दौरान प्रदान की गई सहायता के समानांतर हिमाचल प्रदेश को एक विशेष राहत पैकेज जारी करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अपनी ओर से आश्वासन दिया कि मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

ममता ने कहा, अभिषेक बनर्जी को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को ष्केंद्रीय एजेंसियां अनावश्यक रूप से परेशान कर रही हैं। उनका यह बयान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रविवार शाम को अभिषेक बनर्जी को जारी किए गए नए समन के मद्देनजर आया है। अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल में स्कूल में नौकरी के लिए करोड़ों रुपये के नकद मामले के संबंध में 13 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह और कुछ नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है। उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जबकि इस मामले में उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वे हमेशा उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करते हैं। उन्हें न्याय के लिए एक अदालत

से दूसरे अदालत में भागना पड़ता है। उनका एकमात्र इरादा युवा पीढ़ी को परेशान करना है। देश के युवा उन्हें उचित जवाब देंगे।"

राज्य सचिवालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा, राजनीतिक प्रतिशोध का यह सिंड्रोम उन लोगों को भी एक दिन प्रभावित कर सकता है जो इस तरह की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। पश्चिम बंगाल के सीएम ने कहा, ष्आज, आप सत्ता में हैं। कल आप सत्ता में नहीं होंगे और सत्ता में रहने वाले लोग आपके खिलाफ वही तरीका अपना सकते हैं। मैंने सुना है कि (आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री) एन. चंद्रबाबू नायडू को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुझे यह पसंद नहीं आया।" इस बीच, उन्होंने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस द्वारा लिखे गोपनीय पत्र का खुलासा करने से इनकार कर दिया। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि आवश्यक संवैधानिक संशोधन किए बिना ष्इंडियाष् का नाम बदलकर भारत करने के खिलाफ हैं। रविवार शाम को ईडी का नोटिस दिए जाने के तुरंत बाद अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि उन्हें जानबूझकर 13 सितंबर को बुलाया गया, क्योंकि उस दिन दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की समन्वय समिति की पहली बैठक होगी, जिसमें उन्हें शामिल होना है।

सम्पादकीय

शिखर की सफलता

निस्संदेह, दो दिवसीय जी–20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन ही साझा घोषणापत्र पर सहमति बनना अभूतपूर्व रहा। वह भी ऐसे मौके पर जब पश्चिमी देश रूस के खिलाफ यूक्रेन युद्ध के लिये निंदा प्रस्ताव लाना चाह रहे थे। यह भारत की कूटनीतिक कामयाबी थी कि घोषणा में यह बात भी आई कि यह युद्ध का युग नहीं है, रूस को नसीहत भी कि परमाणु हमला या धमकी अस्वीकार्य है। सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के न आने के बाद कयास लगाये जा रहे थे कि शायद घोषणा पत्र पर सहमति न बन सके। लेकिन कूटनीतिक कौशल के साथ भारत सरकार ने शब्दों के चयन में ऐसी कुशलता दर्शायी कि अमेरिका व पश्चिमी देशों के साथ रूस व चीन के प्रतिनिधि भी साझा प्रस्ताव से सहमत हुए। निस्संदेह, जी–20 सम्मेलन भारत के नाम रहा। विकासशील देशों के आर्थिक व ऊर्जा के मामले को हम मुद्दा बनाने में सफल रहे। यह नरेंद्र मोदी सरकार की विदेशी नीति की कामयाबी है कि हमारी प्रतिष्ठा विश्व में शीर्ष पर पहुंची हैं। निस्संदेह, इन वैश्विक मुद्दों पर बीस देशों की सहमति बनाना एक कठिन काम था, जिसे भारत ने संभव बनाया। जिसके लिए सफल कूटनीति व दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि भारत जहां जी–20 के सूत्रधार अमेरिका को बात मनवा पाया, वहीं पुराने मित्र रूस से संबंधों की लाज रख पाया।निस्संदेह, नरेंद्र मोदी के गतिशील और वैश्विक नेतृत्व में भारत की यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। अमेरिका की ओर से कहा गया है कि भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा। मोदी की इस बात को वैश्विक समुदाय ने सराहा कि 21वीं सदी शांति और वैश्विक समुदाय के समग्र विकास का युग है। जिसके लिये पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में एकजुट होना है। हमारी एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि जिस अफ्रीका में चीन, रूस व तुर्की प्रभुत्व जमाने को भारी निवेश कर रहे थे, उसका दिल भारत ने जीत लिया। भारत के प्रयासों से 55 सदस्यों वाला अफ्रीकी संघ जी–20 का सदस्य बना है। इस सफलता का सेहरा भी भारत के माथे बंधेगा। निश्चित रूप से जी–20 जैसे वैश्विक मंच में अफ्रीकी देशों की उपेक्षा नहीं हो सकती। इसके जरिये अफ्रीका में खाद्य सुरक्षा संकट व आर्थिक असमानता के मुद्दों को उठाने का मौका मिलेगा। बहरहाल, जी–20 के दिल्ली शिखर सम्मेलन में 83 बिंदुओं पर सहमति बनना बड़ी उपलब्धि है। खासकर मजबूत, दीर्घकालीन, संतुलित व समावेशी विकास, लैंगिक समानता, दीर्घकालीन भविष्य के लिये हरित विकास समझौता, बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना, ग्लोबल बायो फ्यूल्स अलायंस की घोषणा तथा चीन के बीआरआई के जवाब में भारत–यूरोप आर्थिक कॉरिडोर स्थापित करने पर सहमति सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि है। निस्संदेह, वैश्विक हितों को प्राथमिकता देने से यह कामयाबी मिली है। इसके बावजूद यदि मोदी सरकार इस सफल वैश्विक आयोजन में विपक्ष को सम्मानजनक दर्जा देती तो इससे दुनिया में भारतीय लोकतंत्र का खूबसूरत संदेश जाता। जनतंत्र तभी सार्थक होता है जब सशक्त पक्ष के साथ सशक्त विपक्ष की भी उपस्थिति दर्ज हो।

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

जी-20 में कही बातें देश में तो लागू हों

जी–20 के बहुत ही भव्य दो दिवसीय सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ जिसके दौरान अनेक अच्छी–अच्छी बातें कही गयीं। श्वसुधैव कुटुम्बकम् से लेकर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी चिंताओं से लेकर ग्लोबल साऊथ पर काम करने के निश्चयों के साथ भागीदार हुए देशों के राष्ट्राध्यक्ष लौट तो गये हैं परन्तु कुछ सवाल भी लेकर गये हैं। इनमें सम्भवतः सबसे प्रमुख यही होगा कि विश्व का नेतृत्व करने का आकांक्षी भारत क्या इन अच्छी–अच्छी बातों का स्वयं अपने देश में अमल कर रहा है। बेशक, सारे मुद्दों का संबंध देश की आंतरिक नीति व प्रणाली से नहीं है लेकिन एक अच्छे समाज के जो अनिवार्य गुण हैं क्या उन्हें पाने का प्रयास यह महादेश कर रहा है? दिल पर हाथ रखकर अगर जवाब टटोला जाये तो शायद वहां बहुत बड़ा ना ही मिलेगा। खासकर, भारत को कई तरीकों से और अनेक अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्लोकतंत्र की जननीश कहा जाना कितना विश्वसनीय रह गया है, यह भी इस मौके पर देखा जाना चाहिये। वसुधैव कुटुम्बकम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काफी जोर रहता है पर उसका अमलीकरण पहले देश के भीतर तो हो। भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में जहां एक ओर वर्णवाद बढ़ा है वहीं साम्प्रदायिकता में भी बेतहाशा इजाफा हुआ है। अगड़े–पिछड़ों का झगड़ा जो मोदी राज में देखा गया है वह कम से कम आजाद भारत में तो कभी भी नहीं देखा गया था। बेशक, भारतीय समाज में वर्ण व्यवस्था के कारण बड़ा विभाजन पहले से है जहां कथित ऊंची–निचली जातियों के बीच टकराव होते रहे हैं लेकिन सरकारों ने कभी उसे बढ़ावा नहीं दिया व उन्हें खत्म करती आई हैं। विश्व देख रहा है कि भारत की सरकार में सत्तारुढ़ पार्टी इन्हें बढ़ावा देती है तथा संरक्षित भी करती है। जो संकीर्णता इस दौरान भारत देख रहा है वह अभूतपूर्व है। दुनिया का ऐसे भारत से परिचय नहीं था। बहुत शोर–शराबा किये बगैर भारत की

इसलिये वैश्विक स्वीकार्यता थी क्योंकि उसका केन्द्रीय भाव मानवीय संवेदना थी। मौजूदा भारत संकीर्ण, है क्रूर भी– ऐसा समाज जो बहुत थोड़े से लोगों का है। सदियों से रहते आये अल्पसंख्यक, जिन्होंने एक दूजे का सुख–दुख में साथ निभाया, स्वतंत्रता की लड़ाई मिलकर लड़ी, आजादी पाने की प्रक्रिया से उपजे दर्द को एक सा झेला और संघर्ष करते हुए जो हासिल किया उसका वितरण बगैर भेदभाव के आपस में किया। अचानक एक वर्ग बाहरी हो गया जिन्हें यहां से चले जाना चाहिये। वे पिछले 9 वर्षों से देश की तमाम समस्याओं के मूल कारण बने हुए हैं और आये दिन उनसे देशभक्ति के प्रमाणपत्र मांगे जाते हैं। कष्टों में पड़ी मानवीयता को बरसों से सहानुभूति और सहायता देने वाला भारत केवल मोदी एवं उनकी पार्टी के वोटरों का होकर रह गया है। अपने भीतर के समाज को ही उदार न बना सकने वाला देश आखिर सारी दुनिया को कैसे अपने आगोश में ले सकता है? भारत में बढ़ती जातीयता व धार्मिक विद्वेष की हकीकत दुनिया को ज्ञात हो चुकी है। मणिपुर, नूंह, जयपुर–मुंबई एक्सप्रेस में हुए खूरेंज हादसे तो हाल के हैं, पिछला लगभग एक दशक भारत की ऐसी कई कहानियों का काल रहा है जो दुनिया भर में गई हैं। हास्यास्पद यह है कि इस मौके पर लिखे अपने लेख में वसुधैव कुटुम्बकम की बात करने वाले प्रधानमंत्री अपने मंत्रियों को सनातनी वाला मुद्दा गरमाये रखने की अपील करते हैं। पिछले कुछ समय से देश को श्मदर ऑफ डेमोक्रेसीश साबित करने पर आमादा पीएम शायद इस बात को नहीं जानते कि दुनिया का सबसे बड़े बड़ा लोकतंत्र धीरे–धीरे दम तोड़ रहा है। समतामूलक एवं न्यायपूर्ण समाज क्षरित हो गया है। बन्धुत्व और धर्मनिरपेक्षता लापता हो गई है। आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक तीनों ही स्तरों पर गैर बराबरी चरम पर हैय और इसके लिये जिम्मेदार सरकार ही है। इसके पीछे वह विचारधारा है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रवर्तित एवं संपोषित है। सुनियोजित तरीके से अमीरी–गरीबी की खाई को बढ़ाया गया है। समाज बदहाल है और विभाजित भी। राजनैतिक वर्चस्व के लिये वे सारे हथकण्डे अपनाये जाते हैं जो वास्तविक मायनों में जनतंत्र में भरोसा रखने वाली कोई सरकार नहीं अपना सकती। अगर इन उदात्त बातों को देश में क्रियान्वित करने की कोशिशें मोदी सरकार नहीं करती तो यही माना जायेगा कि जनता के टैक्स के पैसों से आयोजित इस विलासितापूर्ण आयोजन का मकसद केवल सियासी है। जिस वसुधैव कुटुम्बकम् के सिद्धांत का बारंबार उल्लेख होता आया है, यदि उसके अमल की अपने देश में ही मंशा नहीं है तो यही माना जायेगा कि यह बेहद खर्चीली कवायद सिर्फ इसलिये की गई है कि इससे ब्रांड मोदी को और दमकाया जाये ताकि उसका उपयोग केन्द्र सरकार की आगामी चुनावों में कर सके। ऐसा नहीं कि भारत में पहले कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय आयोजन न हुआ हो। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान हुए गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में भारत का कूटनयिक दबदबा बुलंदियों पर था। आपस में टकराते दो देश भी उसके एक जैसे कायल थे। अपनी आंतरिक कमजोरियों के बावजूद भारत की ताकत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बड़े रूप में पहचानी जाती थी। मौजूदा वैदेशिक नीति केवल बड़े देशों से हथियारों व कबाड़ बनती टेक्नालॉजी की खरीदी, मेहमानों को झप्पी से गले लगना, उन्हें सोने–चांदी के बर्तनों में खाना खिलाने तक रह गई है। भारत की बातों को दुनिया नतमस्तक होकर सुने, इसके लिये जरूरी है कि वह बड़े देशों का पिछलग्गू न बने। इन महाशक्तियों के समकक्ष उसे बैठना है तो वह गुट निरपेक्ष आंदोलन को फिर से खड़ा करे। पहले अपने नागरिकों को सशक्त बनाये। गोदी मीडिया की अतिरंजित हेडलाइनों और चकाचौंध आयोजन को ही सफलता का पैमाना मानना शायद खुद को कमजोर करना है।

जी-20: भारत से यूरोप तक

जी–20 देशों की मेजबानी करके भारत का सम्मान निश्चित रूप से बढ़ा है क्योंकि इस संगठन की अध्यक्षता में इसके सदस्य देशों ने कई ऐसे फैसले किये हैं जिनका असर दुनिया के गरीब व विकासशील देशों पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। अब नई दिल्ली में चले सम्मेलन में अफ्रीकी देशों के संघ "अफ्रीकी यूनियन" के भी सदस्य बन जाने के बाद इसका प्रभाव बहुत व्यापक हो जायेगा क्योंकि यूनियन में कुल 55 देश हैं। जी–20 देशों में दुनिया के पांच परमाणु शक्ति से लैस देश, जिन्हें पी–5 भी कहा जाता है, शामिल हैं। ये देश हैं चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका। ये सभी देश राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य भी हैं। इसके साथ ही दुनिया के सर्वाधिक विकसित सात राष्ट्र (जी–7) भी इसमें शामिल हैं। ये देश हैं अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली जर्मनी, कनाडा और जापान। अतः इसी से स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जी–20 संगठन पूरी दुनिया के आर्थिक विकास के लिए कितना महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली में हुए सम्मेलन में हालांकि चीन व रूस के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग नहीं लिया और अपने दूसरे प्रतिनिधि भेजे। इसका सीधा सम्बन्ध वर्तमान की अन्तर्राष्ट्रीय राजनैतिक परिस्थियों से जाकर जुड़ता है क्योंकि रूस अपने पड़ोस के मुल्क यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है और चीन उसकी मदद कर रहा है जबकि जी–7 के देश यूक्रेन की सहायता कर रहे हैं। इससे युद्ध के और खिंचने की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं। इस युद्ध को चलते हुए साल भर से ऊपर का समय हो गया है मगर अभी तक दोनों के बीच बातचीत से समस्या का हल निकालने की सूरत नहीं बनी है। यदि हम वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण करें तो ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि रूस–यूक्रेन युद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गरीब व विकाशील देशों को कुप्रभावित किया है। दुनिया के पांच परमाणु सम्पन्न देशों में से तीन अमेरिका, फ्रांस व ब्रिटेन यूक्रेन के साथ हैं और दो रूस व चीन एक साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इसे लेकर यह भी नतीजा निकाला जा सकता है कि आज की दुनिया दो गुटों में विभिन्न साझा हिस्सेदारी के मंचों के बावजूद बंटी हुई है। इसमें भारत पूर्णतः तटस्थ बने रह कर अपने राष्ट्रीय हितों को साधता लगता है। हाल ही में इस मुद्दे पर भारत के पूर्व प्रधानमन्त्री डा. मनमोहन सिंह ने भी केन्द्र सरकार के रुख की प्रशंसा की है और उनसे पहले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने भी अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान केन्द्रीय सरकार के रुख का समर्थन किया था। अतः प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की रूस नीति पर भारत के किसी भी राजनैतिक दल को ऐतराज नहीं है। श्री मोदी यह कह चुके हैं कि रूस–यूक्रेन के बीच युद्ध रुकना चाहिए और वार्ता द्वारा समाधान ढूंढा जाना चाहिए क्योंकि आज का दौर सामरिक युद्धों का दौर नहीं है बल्कि 'शान्ति–समझौतों' का दौर है। जी–20 सम्मेलन के साझा घोषणापत्र में श्री मोदी के इसी रुख का समर्थन किया गया है क्योंकि साझा वक्तव्य या घोषणा में रूस का नाम लिये बगैर कहा गया है कि किसी भी देश को दूसरे देश के खिलाफ युद्धास्त्रों का प्रयोग करने से बचना चाहिए। राष्ट्रसंघ के नियमों में भी यही कहा गया है। इसका समर्थन उन जी–7 देशों ने किया जो रूस के खिलाफ यूक्रेन की सब तरह से मदद कर रहे हैं। निश्चित रूप से श्री मोदी की सदारत में जी–20 सम्मेलन की यह उपलब्धि मानी जायेगी क्योंकि वह रूस के साथ अपने मधुर सम्बन्धों को जीवन्त रखने में कामयाब हो गये हैं। भारत का बच्चा–बच्चा जानता है कि रूस के साथ हमारे रिश्ते बहुत मधुर रहे हैं और रूस ने हर आड़े वक्त में भारत का आंखें मीच कर समर्थन किया है। अमेरिका के साथ हमारे सम्बन्धों में तभी खुशनुमा माहौल देखने को मिला जब 2008 में भारत का अमेरिका से परमाणु करार हो गया था। इसके बाद ही भारत के अमेरिका से सम्बन्धों में 'ताजगी और तरावट' आयी और अमेरिकी टैक्नोलॉजी के आयात करने के रास्ते खुले। जी–20 के दिल्ली घोषणापत्र में कहा गया है कि भारत से यूरोप को सीधे जोड़ने के लिए एक भू–जल सम्पर्क परियोजना बनाई जायेगी। यह ट्रेन एवं जल मार्ग का उपयोग करते हुए बनेगी। भारत–यूरोप को बरास्ता पश्चिम एशियाई देशों के जोड़ा जायेगा। खाड़ी के देश भी इसके मार्ग में आयेंगे परन्तु पाकिस्तान ऐसा 'कमजर्फ' मुल्क है कि उसने इस परियोजना के लिए अपनी भूमि का इस्तेमाल करने की इजाजत ही नहीं दी है। अतः भारत से यूरोप परियोजना को ईरान से होकर तैयार किया जायेगा। कूटनीति में यह 'प्याज खिला कर मिर्चे दिखाने' की नीति है। पाकिस्तान को भारत का यह 'तोहफा' इस तरह का है कि भारत से जब यूरोप ट्रेन मार्ग से जुड़ेगा तो यह चीन द्वारा चलाई जा रही 'वन बेल्ट वन रोड '(एक क्षेत्र एक सड़क) परियोजना का माकूल जवाब होगा।

अफ्रीकी देशों के समूह को जी–20 देशों का सदस्य बना कर भारत ने साफ कर दिया है कि विश्व के आर्थिक स्रोतों पर उनकी भी बराबर की हिस्सेदारी है। हालांकि भारत शुरू से ही अफ्रीकी देशों को दुनियाभर में चमकाने का समर्थक रहा है। भारत ने 2008 तक ही 'पैननेट अफ्रीका' स्कीम को लागू कर दिया था और पूरे अफ्रीका में नेट को सुलभ करा डाला था। शिक्षा से लेकर प्रशासन जैसी विधा में भारत इन अफ्रीकी देशों की हर क्षेत्र में तरक्की के लिए अपनी दक्षता देता रहा है। अतः भारत से यूरोप तक जिस रेलमार्ग द्वारा रेलगाड़ियां चलेंगी उनके साथ बिजली का केबल (तार) भी बिछाया जायेगा और साथ ही हाइड्रोजन गैस की पाइपलाइन भी डाली जायेगी जो मार्ग में पड़ने वाले देशों को ऊर्जा या स्वच्छ ईंधन की जरूरत भी पूरी करेगी और यूरोपीय देशों की ऊर्जा समस्या भी आसान बनेगी। इस परियोजना के लिए सऊदी अरब के महाराज कुमार 'मोहम्मद–बिन सलमान' ने 20 अरब डालर की धनराशि मंजूर भी कर दी है। इन देशों तक बिछने वाले वाणिज्यिक मार्ग के लिए 20 अरब डालर की प्रारम्भिक धनराशि देने को मंजूरी भी दे दी है। जी–20 सम्मेलन को हम सफल कहेंगे और विकासशील देशों के कल्याण के लिए कार्यरत संगठन मानेंगे।

आरक्षण के पक्षधर भागवत

आदित्य नारायण

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख श्री मोहन भागवत ने आरक्षण का समर्थन करते हुए स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि उनका संगठन समाज के दलित व पिछड़े समाज के लोगों के लिए किये वैधानिक प्रावधान को जारी रखने की वकालत इस वजह से कर रहा है कि पिछले दो हजार वर्षों के दौरान हिन्दू समाज के कथित सवर्ण अथवा ऊंची जातियों के लोगों द्वारा दलितों पर किये गये अत्याचारों को उचित नहीं मानता है और पश्चाताप करके ऊंच–नीच को समाप्त करना चाहता है। हालांकि 2015 में श्री भागवत ने यह कहा था कि आरक्षण नीति की समीक्षा होनी चाहिए। संघ के ही सरकार्यवाह रहे श्री भैया जी जोशी ने काफी पहले यह भी कहा था कि आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कि इसे पाने वाले समाज स्वयं ही यह न कह दें कि अब उन्हें आरक्षण की जरूरत नहीं है। श्री भागवत के अनुसार आरक्षण का सम्बन्ध सामाजिक व आर्थिक बराबरी के अलावा सम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जाहिर है कि जहां गैर बराबरी होगी वहां निचले पायदान पर खड़े समाज का अपमान तो होगा ही। इसके बावजूद संघ पर यह आरोप लगता रहा है कि वह मूल रूप से जातिगत आरक्षण के विरुद्ध है। श्री भागवत ने प्रत्यक्ष रूप से इस बयान में यह भी स्वीकार कर लिया है कि हिन्दू समाज में जातिगत भेदभाव है और गरीबी का रिश्ता जातियों से जुड़ा हुआ है। वस्तुतः भारत की हकीकत भी यही है। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि श्री भागवत का बयान दक्षिण भारत से वहां के राजनीतिज्ञों द्वारा सनातन धर्म के बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों के बाद आया है। इससे सिद्ध होता है कि संघ प्रमुख सकल हिन्दू समाज की एकता के लिए भी आरक्षण को निर्विवाद बना देना चाहते हैं। मगर यह बयान पूर्णतः राजनैतिक है जिससे इसकी प्रतिध्वनियां भी राजनैतिक समाज से ही सुनाई पड़ेंगी। क्योंकि जनसंघ के जमाने से ही भाजपा आर्थिक आधार पर आरक्षण की पैरोकार रही है। अब यह काम भी पूरा हो चुका है क्योंकि मोदी सरकार ने कथित सवर्ण जातियों के गरीब लोगों को भी 10 प्रतिशत आरक्षण दे दिया है। एक मायने में देखा जाये तो हिन्दू समाज में अब आरक्षण से कोई वंचित ही नहीं रहा है। मगर असली सवाल तो सरकारी नौकरियों का है? सार्वजनिक कम्पनियों और वित्तीय संस्थाओं का जिस तरह निजीकरण पिछले 30 वर्षों में हुआ है वह थमने का नाम ही नहीं ले रहा है साथ ही सरकारी दफ्तरों से लेकर निजी संस्थानों तक में जिस प्रकार ठेके पर कर्मचारी रखने की प्रथा मजबूत होती जा रही है उसने सर्वाधिक कुप्रभाव आरक्षण के दायरे मे आने वाली जातियों के लोगों पर ही डाला है और उनकी आर्थिक सुरक्षा को छीन लिया है। यह बहुत गंभीर प्रश्न है जो सीधे भारत में सामान्य व्यक्ति की जर्जर होती आर्थिक क्षमता से बंधा है। यह सच है कि संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव रामजी अम्बेडकर केवल हिन्दू समाज की कथित दलित जातियों व आदिवासियों के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था प्रारम्भिक तौर केवल दस वर्ष के लिए ही करके गये थे और आगे के लिए फैसला सामाजिक परिस्थियों पर छोड़ कर गये थे परन्तु हम देख रहे हैं कि आज भी न केवल भारत में बल्कि विदेशों में जहां–जहां भारतीय जाकर बस रहे हैं उन तक में जातिगत विद्वेष के आधार पर निचली समझी जाने वाली जातियों के लोगों के साथ भारत से ही वहां बसे लोग भेदभाव करते हैं जबकि दलित जाति के जो लोग विदेशों में बसे हैं वे भी उनके समान ही शिक्षित और आर्थिक क्षमता के लोग हैं। अतः जातिगत भेदभाव हमारे खून में ही घुल सा गया है क्योंकि विदेशों में तो भेदभाव भारत से गये लोग ही करते हैं। इसका सबसे ज्वलन्त उदाहरण अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में जाति आधार पर भेदभाव के खिलाफ बनाया गया कानून है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि आधुनिक अमेरिकी व यूरोपीय समाज में रहने के बावजूद भारतीयों की मानसिकता में बदलाव नहीं आता है और वे अपने ही बीच के लोगों में से उनकी जाति ढूंढने लगते हैं। भारत में तो जातियों की जड़ें इतनी गहरी हैं कि लोग अपना मजहब तक बदलने के बावजूद अपनी जाति नहीं छोड़ते हैं। भारत और पाकिस्तान में राजपूत, जाट, गुर्जर, खत्री व पंडित तक मुसलमान नागरिक मिल जायेंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो त्यागी तक मुसलमान होते हैं। राजस्थान में चौहान मुसलमान खूब मिलते हैं। मुस्लिम समाज में भी दलित जातियां मिल जायेंगी, जिनमं खटीक, सक्के, अंसार जुलाहे, नाई, दर्जी आदि हैं। इन्हें ही पसमान्दा मुसलमान कहा जाता है जो अपने 'अशराफ' कहे जाने वाले समाज के लोगों की चाकरी करते मिलेंगे। हालांकि अब इसमें थोड़ा परिवर्तन भी आया है। मुस्लिम समाज के शिक्षा जगत के कुलगुरु समझे जाने वाले सर सैयद अहमद खां तो इन्ही पसमान्दा मुसलमानों की आधुनिक पढ़ाई–लिखाई के सख्त खिलाफ थे। वह अपने ही पसमान्दा मुस्लिम समाज के किसी व्यक्ति को कलैक्टर या पुलिस कप्तान अथवा दारोगा तक देखने के विरुद्ध थे । अतः जातियों के आधार पर न केवल हिन्दू समाज बल्कि मुस्लिम समाज भी अभिशप्त है। इसी वजह से ब्रिटेन के प्रधानमन्त्री चर्चिल ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा जापान पर परमाणु बम फैंके जाने पर कहा था कि हम तो अमेरिकियों को बहुत अक्लमन्द समझते थे मगर उन्होंने तो जापान को नष्ट करने के लिए परमाणु बम ही गिरा डाला। यदि वह बुद्धिमान होते भारत से कुछ ऊंची जाति (ब्राह्मण समाज सहित) के लोगों को जापान में बसा देते। कुछ सालों बाद जापान स्वयं ही नष्ट हो जाता। अतः संघ प्रमुख ने वास्तविकता को परख कर ही अपना बयान दिया है।

वाराणसी के घाटों पर सिल्ट का अंबार,नाविक और पुरोहित सफाई में लगे, नगर निगम को गंगा का पानी दोबारा बढ़ने की आशंका

वाराणसी(संवाददाता)। वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से कम हो रहा है। जिससे घाटों पर सिल्ट जमा हो गया है। सिल्ट जमा होने के कारण एक घाट से दूसरे घाट आने जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा। वहीं गंगा में स्नान करने वाले पर्यटकों को भी दिक्कत हो रही हैं। वाराणसी के अस्सी घाट पर आने वाले श्रद्धालु और पर्यटकों को गंगा के गीले सिल्ट की वजह से दिक्कत न हो, इसे देखते हुए नाविक और घाट के पुरोहित लगातार सिल्ट हटाने के कार्य में जुटे हुए हैं। अस्सी घाट पर दो मशीन लगाकर सिल्ट हटाने का तेजी से काम चल रहा है। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त एन पी सिंह ने बताया कि वाराणसी में गंगा का जलस्तर अभी कम हुआ है। उन्होंने कहा कि हम अभी इंतजार कर रहे, क्योंकि अभी गंगा का जलस्तर पुनः बढ़ सकता है। जिस कारण घाटों पर सफाई अभियान नहीं चला रहे हैं। जिन घाटों पर पर्यटकों की आवाजाही है, वहां सफाई का काम जारी है। गंगा का जलस्तर नहीं बढ़ा तो सभी घाटों पर सफाई का काम तेजी से कराया जाएगा। वाराणसी में गंगा का जलस्तर हर घंटे 1 सेंटीमीटर घट रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार रविवार सुबह 10 बजे तक गंगा का जलस्तर 62. 55 मीटर पर आ गया है। मौजूदा समय में वाराणसी के अस्सी घाट, रीवा घाट, तुलसी घाट, जैन घाट, निरंजनी घाट, चेतसिंह घाट, शिवाला घाट सहित दूसरे घाटों पर सिल्ट के अंबार देखने को मिल रहे है। घाटों की सीढ़ियों पर जमे इन सिल्ट के कारण पर्यटकों के साथ श्रद्धालुओं को भी खासी परेशानी हो रही है।अस्सी घाट के नाविक गोरखनाथ साहनी ने बताया कि गंगा का जलस्तर घट रहा है। लेकिन घाट पर सिल्ट जमा होने के कारण पर्यटकों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि हम लोग अपने नाव की लकड़ियां लगाकर रास्ता बनाया है, जिससे आने वाले पर्यटक नाव पर सवार हो सकें। नगर निगम द्वारा अभी सिल्ट हटाने का काम नहीं शुरू किया गया है। उन्हें समय रहते सिल्ट हटा देना चाहिए, जिससे पर्यटक घाटों पर घूम टहल सके। अस्सी घाट के तीर्थ पुरोहित बलराम मिश्रा ने कहा कि मां गंगा में स्नान करने और पूजा पाठ करने के लिए देश–विदेश से श्रद्धालु आते हैं। घाटों पर जमे सिल्ट के कारण आय दिन पर्यटकों को परेशानी हो रही है। लोग इस सिल्ट में धंस जा रहे हैं। घाटों पर जमे सिल्ट के कारण स्नान करने वाले श्रद्धालुओं ने भी दूरी बनाई है।

वाराणसी का परिचय बताएगी खास वेबसाइट, स्मार्ट सिटी जल्द लश्च करेगा पोर्टलय पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों को होगी सहूलियत

वाराणसी(संवाददाता)। काशी को जानने और समझने के लिए एक खास वेबसाइट डिजाइन की जा रही है। आप काशी घूमना चाहते हैं या इसके बारे में जानना चाहते हैं या फिर काशी के किसी सरकारी कार्यालय में काम। अब काशी की हर एक जानकारियां एक जगह एक क्लिक पर मिलेगी। वाराणसी स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. डी वासुदेवन ने बताया कि वेबसाइट अभी निर्माण की प्रक्रिया में है। इस पर इनपुट्स और कंटेंट्स अपलोड किए जा रहे हैं। डॉ. वासुदेवन ने बताया कि वाराणसी के धार्मिक पर्यटन, अध्यात्म, प्राचीन मठ, मंदिरों, धर्मशाला, साहित्य, विरासत, शिक्षा, खेल, परंपरा, यात्रा से जुड़ी जानकारियां दी जाएंगी। इसके साथ ही होटल, तीज–त्योहार और विविध आयोजनों समेत काशी की महान विभूतियों की जीवनी भी इस वेबसाइट पर मिलेगी। पद्म अवार्डी से लेकर भारत रत्न से सम्मानित विभूतियों के बारे में एक–एक डिटेल ली जा सकेगी। सरकारी कार्यालयों का विवरण, बाजार और उनकी खासियतें के साथ ही उनका एड्रेस भी वेबसाइट के सहारे जान सकेंगे। काशी से जुड़ा एक क्विज भी होगा। जिसमे हर कोई प्रतिभाग कर सकता है। सर्टिफिकेट भी तुरंत मिलेगा। हिंदी और इंग्लिश दोनों भाषा में ये वेबसाइट तैयार हो रही है। वेब साइट में सरकारी कार्यालयों की जानकारी ,जनप्रतिनिधियों और विभागवार अधिकारियों का विवरण भी उपलब्ध रहेगा। काशी की विकास यात्रा की केस स्टडी भी मिलेगी। मुख्य महाप्रबंधक ने जानकारी दी कि इस वेबसाइट से मैप नेविगेशन, जन्म, मृत्यु प्रमाणपत्र समेत अन्य नगर निगम सुविधाओं के लिए वेबसाइट री–डायरेक्शन आदि जानकारी होगी।

वाराणसी के घाटों पर सिल्ट का अंबार,नाविक और पुरोहित सफाई में लगे

वाराणसी(संवाददाता)। वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से कम हो रहा है। जिससे घाटों पर सिल्ट जमा हो गया है। सिल्ट जमा होने के कारण एक घाट से दूसरे घाट आने जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा। वहीं गंगा में स्नान करने वाले पर्यटकों को भी दिक्कत हो रही हैं। वाराणसी के अस्सी घाट पर आने वाले श्रद्धालु और पर्यटकों को गंगा के गीले सिल्ट की वजह से दिक्कत न हो, इसे देखते हुए नाविक और घाट के पुरोहित लगातार सिल्ट हटाने के कार्य में जुटे हुए हैं। अस्सी घाट पर दो मशीन लगाकर सिल्ट हटाने का तेजी से काम चल रहा है। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त एन पी सिंह ने बताया कि वाराणसी में गंगा का जलस्तर अभी कम हुआ है। उन्होंने कहा कि हम अभी इंतजार कर रहे, क्योंकि अभी गंगा का जलस्तर पुनः बढ़ सकता है। जिस कारण घाटों पर सफाई अभियान नहीं चला रहे हैं। जिन घाटों पर पर्यटकों की आवाजाही है, वहां सफाई का काम जारी है। गंगा का जलस्तर नहीं बढ़ा तो सभी घाटों पर सफाई का काम तेजी से कराया जाएगा। वाराणसी में गंगा का जलस्तर हर घंटे 1 सेंटीमीटर घट रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार रविवार सुबह 10 बजे तक गंगा का जलस्तर 62.55 मीटर पर आ गया है। मौजूदा समय में वाराणसी के अस्सी घाट, रीवा घाट, तुलसी घाट, जैन घाट, निरंजनी घाट, चेतसिंह घाट, शिवाला घाट सहित दूसरे घाटों पर सिल्ट के अंबार देखने को मिल रहे है। घाटों की सीढ़ियों पर जमे इन सिल्ट के कारण पर्यटकों के साथ श्रद्धालुओं को भी खासी परेशानी हो रही है। अस्सी घाट के नाविक गोरखनाथ साहनी ने बताया कि गंगा का जलस्तर घट रहा है। लेकिन घाट पर सिल्ट जमा होने के कारण पर्यटकों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि हम लोग अपने नाव की लकड़ियां लगाकर रास्ता बनाया है, जिससे आने वाले पर्यटक नाव पर सवार हो सकें। नगर निगम द्वारा अभी सिल्ट हटाने का काम नहीं शुरू किया गया है। उन्हें समय रहते सिल्ट हटा देना चाहिए, जिससे पर्यटक घाटों पर घूम टहल सके। अस्सी घाट के तीर्थ पुरोहित बलराम मिश्रा ने कहा कि मां गंगा में स्नान करने और पूजा पाठ करने के लिए देश–विदेश से श्रद्धालु आते हैं। घाटों पर जमे सिल्ट के कारण आय दिन पर्यटकों को परेशानी हो रही है। लोग इस सिल्ट में धंस जा रहे हैं। घाटों पर जमे सिल्ट के कारण स्नान करने वाले श्रद्धालुओं ने भी दूरी बनाई है।

घर में घुसकर युवकों ने की तोड़फोड़ व मारपीट, विरोध करने पर हमला, 4 लोग घायल

आगरा(संवाददाता)। जिले में बाह थाना बाह क्षेत्र में कूड़ा डालने गई युवती का वीडियो बनाने का विरोध करने पर दबंगों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की। जमकर पत्थरव किया व लाठी डंडों से परिवार के लोगों के साथ जमकर मारपीट की। जिसमें पीड़ित परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मारपीट से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस जांच कर रही है। गांव झाड़े की घड़ी निवासी हरेंद्र (20) पुत्र वीरेंद्र सिंह का आरोप है कि रविवार सुबह उसकी छोटी बहन घूरे पर कूड़ा डालने गई थी। तभी गांव के ही श्रीकृष्ण और उसके साथियों ने युवती पर कमेंट कसते हुए वीडियो बनाने लगे। युवती की शिकायत पर उसके पिता वीरेंद्र सिंह ने मामले का विरोध किया। आरोप है कि जिसे लेकर दबंग श्रीकृष्ण, पंकज रवि, सौरभ गौरव पुत्र भूरी सिंह समेत आधा दर्जन लोग लाठी डंडे लेकर गेट खोलकर घर में घुस आए और गाली गलौज करते हुए घर के अंदर रखे सामान व बाइक में तोड़फोड़ कर दी। विरोध करने पर जमकर पथराव किया। परिवार के साथ जमकर लाठी डंडों से मारपीट की, जिसमें हेवेंद्र, पिता वीरेंद्र सिंह, मां और बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। तोड़फोड़ व मारपीट का वीडियो बनाने पर आरोपी धमकी देकर मौके से भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी केंद्र बाह में भर्ती कराकर मेडिकल कराया। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं घर में घुसकर तोड़फोड़ करने और पथराव करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

3 दिन से बारिश, 24 डिग्री पहुंचा तापमान

आगरा(संवाददाता)। आगरा समेत आसपास के कई जिलों में करीब 2 दिन से लगातार बारिश हो रही है। यह बारिश तीसरे दिन भी थमने का नाम नहीं ले रही है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश के 51 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आगरा में बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं तापमान में भी काफी गिरावट आई है। हल्की बूंदाबांदी के चलते मौसम सुहाना हो गया है। आगरा में कई दिनों से पड़ रही विशेष गर्मी के बीच शुक्रवार दोपहर से ही बरसात शुरू हो गई। शुरुआत में हल्की बूंदाबांदी के बाद देर शाम को तेज बारिश भी होने लगी। यही बारिश शुक्रवार रात और शनिवार पूरे दिन तक होती रही। जिसकी वजह से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। वहीं लोगों को गर्मी से भी राहत मिलते हुए दिखाई दी। 3 दिन से आगरा में हो रही।

टीकाकरण से वंचित बच्चों को 11 सितंबर से लगेगा टीका

बस्ती(संवाददाता)। 11 सितंबर से आयोजित मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत टीकाकरण से वंचित बच्चों का टीकाकरण कराया जाएगा। विकास भवन सभागार में स्वास्थ्य विभाग व सहयोगी संस्था यूनिसेफ ने बैठक कर तैयारियों पर चर्चा की। विकास भवन के सभागार में सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ। इसी के साथ लगभग 500 परिवारों को नियमित टीकाकरण के फायदे व टीका न लगवाने से होने वाले नुकसान बताकर टीकाकरण कराया जाएगा। सीडीओ ने कहा कि हर हाल में शत प्रतिशत बच्चों को प्रतिरक्षित किया जाना है। डीआईओ डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि 11 सितंबर से विशेष टीकाकरण कार्यक्रम मिशन इंद्रधनुष संचालित किया जा रहा है। जो बच्चे किसी कारण से नियमित टीकाकरण से छूट गए हैं, या किसी बच्चे को कोई विशेष टीका नहीं लगा है, उन्हें यह टीका लगाया जाएगा। यूनिसेफ के मंडलीय कोआर्डिनेटर मनोज कुमार श्रीवास्तव, यूनिसेफ की डीएमसी नीलम व यूएनडीपी के कोल्ड चेन प्रबंधक हरेंद्र मिश्रा ने टीकों को सुरक्षित रखने के तरीके के बारे में बताया। नगरीय स्वास्थ्य के नोडल ऑफिसर डॉ. एके कुशवाहा, जिला समन्वयक नगरीय स्वास्थ्य सचिन चौरसिया, सभी ब्लॉकों के बीपीएम, बीसीपीएम, सुपरवाइजर व मेडिकल ऑफिसर मौजूद रहे।

फतेहपुर के नगर क्षेत्र के17 स्कूल 13 से हो जायेंगे शिक्षक विहीन हाल-ए- प्राइमरी एजूकेशन

लखनऊ(संवाददाता)। फतेहपुर जनपद के नगर क्षेत्र के 17 स्कूल 13 सितंबर से शिक्षक विहीन हो जाएंगे। इन स्कूलों से संबद्ध अंतरजनपदीय तबादले पर आए शिक्षकों की ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में तैनाती की तिथि घोषित हो गई है।बीएसए ने 190 शिक्षक संबद्ध कर नगरीय क्षेत्र के स्कूलों की पठन पाठन व्यवस्था मजबूत की थी। इनके साथ ही 22 स्कूल एकल व्यवस्था में चलेंगे। शिक्षकों की कमी का खामियाजा 5929 बच्चों का भुगतना पड़ेगा।तबादले पर आए शिक्षकों की वापसी के बाद नगर क्षेत्र में 218 के सापेक्ष सिर्फ 39 शिक्षक बचेंगे। 17 विद्यालय शिक्षकविहीन हो जाएंगे, जबकि 22 स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती है। ऐसे में एक शिक्षक पर कई–कई विद्यालयों में एमडीएम बनवाने की जिम्मेदारी होगी। आरटीआई के मानक के तहत 30 छात्र संख्या पर एक शिक्षक की नियुक्ति का प्रावधान है। इसके सापेक्ष नगर क्षेत्र के स्कूलों में 2011 के बाद से शिक्षकों की तैनाती न होने से 80 प्रतिशत पद खाली हो चुके हैं। एक ही शिक्षक अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विषय पढ़ा रहा है। एमडीएम बनवाने, डीबीटी पोर्टल में अभिभावकों के खाते में रुपये ट्रांसफर करवाने के साथ हाउस होल्ड सर्वे की भी जिम्मेदारी है। तबादले पर आए शिक्षकों के संबद्ध होने से पठन पाठन व्यवस्था पटरी पर लौटी थी, जो अब फिर से अपने पुराने ढर्रे पर पहुंच जाएगी। फतेहपुर नगर क्षेत्र के 37 स्कूलों के 5929 बच्चों के पढ़ाने के लिए स्थाई रूप से सिर्फ 39 शिक्षकों की व्यवस्था है। बिंदकी नगर के छह स्कूलों में 633 बच्चों को पढ़ाने के लिए एक भी शिक्षक नहीं है। जुलाई में अंतरजनपदीय तबादले पर आए 190 शिक्षकों को बीएसए ने नगर क्षेत्र के स्कूलों में संबद्ध कर दिया था। इस तरह से दो महीने तक व्यवस्था ठीक–ठाक चली, लेकिन अब इन शिक्षकों को ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में नियुक्ति के लिए 13, 14, 16 सितंबर की तिथि निर्धारित कर दिया है। ऐसे में अब नगर क्षेत्र के सभी स्कूलों में फिर शिक्षकों का टोटा हो जाएगा।शहर के जिन स्कूलों में शिक्षक हैं, उनमें भी एक मात्र शिक्षक की नियुक्ति है। एक मात्र शिक्षक को विभागीय रिपोर्ट बनाने से फुर्सत नहीं है। ऐसे में नगर क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ाई के नाम पर सिर्फ एमडीएम परोसा जा रहा है।

आय में बढ़ोत्तरी के साथ रोजगार का पैदा करें अवसर

बहराइच(संवाददाता)। जिले में सुहेलदेव एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ग्राम पंचायत सिसई हैदर में स्थापित मशरूम उत्पादन यूनिट का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद डीएम ने मशरूम उत्पादन कक्ष में कोकोपिट डालकर मशरूम लगाया। तैयार फसल की कटाई भी की। डीएम मोनिका रानी ने एफपीओ निदेशकों व सदस्यों से कहा कि कृषि के क्षेत्र में नवाचार को अपनाकर स्वयं की आय में बढ़ोत्तरी के साथ–साथ आकांक्षात्मक जिले में दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें। डीएम ने सुझाव दिया कि जरबेरा का व्यावसायिक स्तर पर पालीहाउस के अन्दर उत्पादन करें, क्योकि जरबेरा उत्पादन से जिले के निर्यात में बढ़ोत्तरी होगी। डीएम ने कहा कि हल्दी और केले की व्यवसायिक स्तर पर गुणवत्तापरक खेती से किसान भाइयों की आय में गुणात्मक वृद्धि होगी। डीएम ने कहा कि जिले के 6 एफपीओ द्वारा 19 फार्म्स कम्पनी के साथ एमओयू साइन किया गया। जिससे एफपीओ द्वारा उत्पादित केला कम्पनी को सीधे बिक्री कर अधिक से अधिक मूल्य प्राप्त करेंगे। डीएम ने कहा कि बाबा रामदेव की कम्पनी से हल्दी उत्पादन की। उन्होंने बाबा रामदेव की कंपनी से हल्दी उत्पादन की प्रोसेसिंग व बिक्री के सम्बन्ध में चर्चा की। जिससे जनपद में उत्पादित हल्दी का उनकी कंपनी से एमओयू कराकर हल्दी उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा। उप निदेशक कृषि टीपी शाही ने बताया कि जिले में 61 एफपीओ का गठन कराया गया है। जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में कई एफपीओ द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। कंचन सिंह के नेतृत्व में सुहेलदेव एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा व्यवसायिक दृष्टिकोण से मशरुम का बड़े पैमाने पर उत्पादन कर लोगों को रोजगार प्रदान करते हुए साल में लगभग 80 लाख की आमदनी की जा रही है। सुहेलदेव एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी को प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) अंतर्गत मशरुम यूनिट की स्थापना कराई गई है। जिस पर 3 प्रतिशत एआईएफ योजना से उद्यान विभाग द्वारा मशरुम यूनिट लगाने पर 35 प्रतिशत अनुदान दिया गया है।

बाबा रामदेव ने किया बाबा विश्वनाथ का दर्शन,काल भैरव मंदिर और माता अन्नपूर्णा के दरबार में हुआ योग गुरु का सम्मान

वाराणसी(संवाददाता)। योग गुरु बाबा रामदेव आज वाराणसी में बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ, काल भैरव और माता अन्नपूर्णा का दर्शन पूजन किया। रामदेव ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। इसके बाद माता अन्नपूर्णा के दरबार पहुंचे, जहां पर विधि–विधान से माता का पूजन किया। बाबा विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्य पालक अधिकारी सुनील वर्मा ने बाबा रामदेव को अंग वस्त्र भेट किया। अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकर पुरी से मिलकर हालचाल जाना। महंत ने स्मृति चिन्ह और माता प्रसाद भेट किया। बाबा को शॉल–श्रीफॉल भेंट कर उनका सम्मान किया। महंत ने संस्था के द्वारा दी जा रही समाजिक सेवाओं के बारे मे बताया। मंदिर के गर्भ गृह मे दर्शन कर कुम–कुम टीका भी लगवाया। इस दौरान चौक थाने की फोर्स उनके साथ थी। मंदिर में आने वाले भक्तों ने बाबा रामदेव के साथ तस्वीरें भी खिंचाई। लोगों में रामदेव को देखने और बात करने की होड़ सी लग गई।

वाराणसी में 20 मिनट की बारिश के बाद खिली धूप, तेज हवा के साथ बरसे मानसून के बादलय 2 दिन में आधा मीटर घटा गंगा का जलस्तर

वाराणसी(संवाददाता)। वाराणसी में आज दोपहर में डेढ़ बजे के बाद जमकर बारिश हुई। करीब 20 मिनट तक तेज हवा के साथ बारिश होती रही। इसके बाद धूप खिल गई। पिछले 5 दिनों से मानसून अपनी समाप्ति के दिनों में काशीवासियों पर मेहरबान है। जुलाई अगस्त सूखे की भेंट चढ़ने के बाद मानसून अब वापसी की ओर है। आज सुबह से वाराणसी में धूप–छांव की आंखमचौली चल रही थी। कभी बादल घिरते दिख रहे, तो कभी अचानक से धूप खिल जा रही थी। हवा बिल्कुल शांत थी। आज बारिश की कोई उम्मीद नहीं दिख रही। मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान है कि आज वाराणसी में ठीक ठाक बारिश हो सकती है। आज के बाद बारिश के आसार काफी घट जाएंगे। बहरहाल, गंगा का जलस्तर भी तेजी से घट रहा है। 2 दिन में करीब आधा मीटर पानी नीचे खिसका है। सप्ताह भर के अंदर डूबे हुए घाट भी दिखने के आसार हैं। वाराणसी में पिछले 2 दिनों में जितनी भी बारिश हुई है, मौसम विज्ञान विभाग द्वारा उसके आंकड़े जारी ही नहीं किए गए हैं। वाराणसी में शनिवार शाम बादल गरजने के साथ 2 घंटे की जोरदार बारिश हुई थी। बहरहाल, मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 50 मिलीमीटर से ज्यादा की बारिश हुई। आज भी काशी का मौसम काफी खुशनुमा सा बन गया है।

ट्रक ने मारी कार में टक्कर,बाल बाल बचा परिवार

आगरा(संवाददाता)। ताज नगरी आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के अंतर्गत न्यू दक्षिणी बाइपास पर मथुरा की तरफ से आ रही कर में अचानक पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक के टक्कर मारते ही कर दूसरी गाड़ी से जा टकराई, जिसमें वह छातिग्रस्त हो गई । कार में सवार परिवार बाल बाल बच गया प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना मलपुरा क्षेत्र की न्यू दक्षिणी बाइपास लालऊ पुल के नजदीक एक कर मथुरा की ओर से जा रही थी और ग्वालियर की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि कार जैसे ही थाना मलपुरा क्षेत्र के न्यू बाईपास दक्षिणी बाईपास स्थित लालऊ पुल के नजदीक पहुंची, तो तेज गति के आते हुए ट्रक में कर में टक्कर मार दी और इसी बीच कर दूसरी कर से डाटा कराई कार में सवार परिवार बाल बाल बच गया। प्रत्यक्षदर्शी राहगीर राम सिंह ने बताया है कि हादसा इतना दर्दनाक था कि मानो पूरा परिवार आज नष्ट हो जाएगा। ऊपर वाली की कृपा से पूरा परिवार बाल बाल बच गया किसी के चोट तक नहीं आई। प्रत्यक्ष दर्शनों ने बताया है कि तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए और घटनास्थल में घायल सभी को बाहर निकाल लिया।

डेढ़ साल से एक ही थाने में तैनात एसआई बदल

अलीगढ़(संवाददाता)।अलीगढ़ में आमजनों को बेहतर और भ्रष्टाचार मुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए पुलिस विभाग में लगातार कार्रवाई जारी है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने एक ही थाने में डेढ़ साल या इससे ज्यादा का समय बिताने वाले सब इंस्पेक्टरों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया है। इसके साथ ही एक ही चौकी में प्रभारी के रूप में एक साल से ज्यादा का समय बिताने वाले सब इंस्पेक्टरों को भी नई तैनाती दी गई है। वहीं गैर जनपद से ट्रांसफर होकर बीते दिनों अलीगढ़ आने वाले सब इंस्पेक्टरों को भी पुलिस लाइन से हटाकर थाने और चौकी में पोस्टिंग दी गई है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने अलीगढ़ के विभिन्न थाने, चौकियों और पुलिस लाइन में तैनात 31 सब इंस्पेक्टरों को नई तैनाती दी है। नई पोस्टिंग देने के साथ ही सभी को तत्काल ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे कि कानून व्यवस्था बेहतर बनी रहे और आमजनों को किसी तरह की परेशानी न हो। एसएसपी ने सभी पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए हैं कि वह जनसुनवाई के काम में बिल्कुल भी लापरवाही न करें। थाने में आने वाली शिकायतों और आमजनों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया जाए। अगर इस काम में किसी कर्मचारी ने लापरवाही की और उसकी शिकायत मिली तो संबंधित के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

7 फिट गहरे पोल में फंसा बिल्ली का बच्चा, अलीगढ़ में समाजिक संगठन ने 15 घंटे बाद निकाला बाहर, 1 घंटे तक चलता रहा रेस्क्यू

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ में रविवार को एक बिल्ली के बच्चे का रेस्क्यू किया गया। बिल्ली का बच्चा 7 फिट गहरे गढ्ढे में गिर गया था और अंदर जाकर फंस गया। लगभग 15 घंटे तक यह बच्चा पोल के अंदर ही फंसा रहा। जब लोगों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने सामाजिक संगठन को सूचना दी। बिल्ली के बच्चे के फंसे होने की सूचना मिलने पर जीव दया फाउंडेशन के लोग तत्काल वहां पर पहुंच गए। उन्होंने देखा कि बिल्ली का बच्चा गढ़े के अंदर फंसा हुआ है। जिसके बाद लगभग एक घंटे तक उन्होंने रेस्क्यू किया और बिल्ली के बच्चे को बाहर निकाल लिया। जिसके बाद अब उसका इलाज कराया जा रहा है। अलीगढ़ के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया चौराहे के सामने स्मार्ट सिटी का काम चल रहा है। यहां पर पुराने पोल को हटाकर नए पोल लगाए जा रहे हैं। ऐसा ही एक पोल बिल्ली के बच्चे के लिए परेशानी बन गया था। इसे काटकर अलग कर दिया गया था। पोल कटने के बाद यह गढ्ढ में बदल गया था। लगभग 6 इंच चौड़ाई वाला यह गढ्ढ सात फुट तक गहरा था। जिसमें शनिवार की रात या इससे और पहले एक बिल्ली का बच्चा जा गिरा। सारी रात यह बच्चा इसमें फंसा रहा और गहराई ज्यादा होने के कारण यह बाहर नहीं निकल सका। रविवार को जब लोगों ने इसकी आवाज सुनी, तब जाकर इसकी मदद हो सकी। जीव दया फाउंडेशन के हेमंत कुमार भारद्वाज ने बताया कि उनकी संस्था पशुओं के लिए ही काम करती है। स्ट्रीट डॉग्स, शहर में घूमने वाल पशुओं की मदद के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्हें सूचना मिली थी कि बिल्ली का एक बच्चा पोल गढ्ढ में फंस गया है। जिसके बाद वह अपनी टीम के साथ पहुंचे। गढ्ढ की चौड़ाई काफी कम थी, इसलिए बिल्ली का रेस्क्यू करने में थोड़ा टाइम लग गया। उन्होंने सही सलामत बच्चे को बाहर निकाल लिया है। उसे थोड़ी चोट भी आई थी, जिसके बाद उसका इलाज कराया जा रहा है। ठीक होने के बाद उसे छोड़ दिया जाएगा।

भीषण बारिश और वज्रपात की चेतावनी,मौसम विभाग के एलर्ट के बाद प्रशासन ने जारी की गाइडलाइन

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ में रविवार को भीषण बारिश और वज्रपात का एलर्ट है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद जिला प्रशासन भी एलर्ट हो गया है और राहत टीमों को एक्टिव कर दिया गया है। डीएम ने गाइडलाइन जारी की है कि लोग अपने घरों में ही रहें और जरूरी काम होने पर ही बाहर निकलें। अगले तीन घंटे जिले में भीषण बारिश की चेतावनी है। जिले में जन्माष्टमी की रात से लगातार बारिश हो रही है। रुक–रुक कर हो रही बारिश के बाद जहां मौसम सुहावना हो गया है, वहीं दूसरी ओर यह बारिश के कारण कई इलाकों में पुराने मकान भी गिर गए हैं। जिसके बाद प्रशासन ने बारिश की चेतावनी जारी करते हुए लोगों को एलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। जिससे किसी तरह की जनहानि से बचा जा सके। शहर में लगातार हो रही बारिश के कारण बन्नादेवी थाना क्षेत्र के रघुवीर पुरी इलाके में एक 100 साल पुराना पेड़ गिर गया। अचानक पेड़ गिरने से इलाके में भगदड़ मच गई और लोगों ने इसकी सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को भी दी। जिसके बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पेड़ गिरने के कारण इसकी चपेट में बिजली का पोल आ गया और वह भी पूरी तरह से टूटकर गिर गया। जिसके बाद अधिकारियों ने बिजली सप्लाई बंद कराकर राहत काम शुरू कराया। इलाके के लोगों के साथ मिलकर अधिकारियों ने पेड़ को किनारे कराया। जिससे कि यातायात सुगम हो सके। वहीं पोल टूटने के कारण सारी रात इलाके की बिजली सप्लाई बाधित रही।

नदी में डूबे किशोरों के शव बरामद,कलश विसर्जन के दौरान डूब गए थे दोनों, एसडीआरएफ ने दो दिन की तलाश

बस्ती(संवाददाता)। जिले के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बाराह क्षेत्र घाट पर कुआनों नदी में कृष्ण जन्माष्टमी पर स्थापित कलश का विसर्जन करने के दौरान 2 किशोर डूब गए थे। एसडीआरफ की टीम ने आज शव बरामद कर लिए हैं। शुक्रवार से टीम डूबे किशोरों की तलाश में टीम जुटी थी, एक किशोर का शव शनिवार को और दूसरे का रविवार को बरामद हुआ। बता दें कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बिलौडी बरगाह गांव से कृष्ण जन्माष्टमी पर स्थापित कलश को विसर्जित करने के लिए शुक्रवार को ग्रामीण कुआनो नदी के बराहक्षेत्र घाट गए थे। कलश विसर्जन के दौरान बिलौडी बरगाह गांव निवासी अरूण (15) पुत्र हरिश्चन्द्र एवं रिश्तेदारी में आए रुधौली थाना क्षेत्र के मथुरा गांव निवासी कृष्णा (15) पुत्र महेन्द्र गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गए। डूब रही 2 महिलाओं नीलम और कृष्णावती को मौके पर मौजूद लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दोनों किशोरों को जब तक बचाया जाता वे नदी की धारा में समां गए थे। दो किशोरों के नदी की धारा में लापता हो जाने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोरों के साथ डूबे किशोरों की तलाश में जुटी, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। दो दिनों तक एसडीआरएफ की टीम के चले रेस्क्यू अभियान के बाद डूबे किशोरों का शव बरामद हुआ। कृष्णा का शव शनिवार को बाराह क्षेत्र पुल के निकट और अरुण का शव रविवार को सुबह रेलवे पुल के पास बरामद हुआ। दो किशोरों की मौत से पूरा गांव शोक में डूबा है, वहीं उनके परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

हर गांव का होगा सर्वे,डीएम ने 3 हफ्ते का दिया समय, डिजिटल क्रॉप सर्वे की तैयारी को लेकर की बैठक

बस्ती(संवाददाता)। जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे के क्रियान्वयन की तैयारी के सम्बन्ध में जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में बैठक हुई। जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने कहा कि तीन सप्ताह के भीतर हर गांव में सर्वे का काम पूर्ण कर लिया जाए। ट्रेनिंग का कार्य भी एक सप्ताह में पूर्ण कराएं। इस कार्य के लिए नोडल भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ राज मंगल चौधरी को नामित किया। ग्राम पंचायत सहायक,लेखपाल, डीपीआरओ, कोऑपरेटिव अमीन, नलकूप चालक को इस कार्य में लगाए जाने के लिए भूमि संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया। कहा कि किसान फसल बो रहा है, उसका समय–समय पर आकलन कर ऐप पर अपलोड कर अपडेट किया जाए जिससे 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी का लक्ष्य पूरा किया जा सके। अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी ने प्रदेश के 21 जिलों में संचालित डिजिटल क्रॉप सर्वे में तेजी लाने के लिए वीसी के माध्यम से सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया है। कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि युद्ध स्तर पर कार्यवाही करते हुए समय से सर्वे का कार्य पूरा किया जाए। सर्वे रिपोर्ट पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड किया जाए।

मिशन-2024: भाजपा के सामने दलितों को साधने की चुनौती

घोसी मे चला गया इंडिया के खाते में,खतौली और मैनपुरी में भी रहा यही हाल 2024 में बिखरे मोती बीनने खातिर जंग होगी एनडीए बनाम इंडिया

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की सियासत में दलित वोट अब निर्णायक भूमिका में आ रहा है। बीएसपी की घटी परफॉर्मेंस के चलते दलित अब किसी दल का वोट बैंक बनने के बजाय अपना भविष्य तलाश रहा है। बिखरे दलित वोट बटोरने की कूबत शायद ही किसी एक दल में हो। कभी कांग्रेस का वोट बैंक कहलाने वाले इस वर्ग को मान्यवर कांशीराम ने मिशन मोड़ में काम करते हुए बहुजन समाज पार्टी के साथ ला खड़ा किया था जो आज असमंजस की पोजीशन में है। बिखरे मोती बटोर कर अपनी माला में जोड़ने को बीजेपी जहाँ बेताब है वही विपक्षी दलों ने भी अभियान छेड़ रखा है। मैनपुरी, खतौली के बाद अब घोसी ने साफ दिखा दिया है। बीएसपी ने घोसी में उपचुनाव में भागीदारी न करने की घोषणा पहले ही कर दी थी और किया भी वही। बीजेपी उम्मीद लगाये बैठी थी कि दलित वोट बीजेपी के पाले में गिरेगा, लेकिन हुआ उलट। कैंडिडेट सपा का था और लड़ रहा थाश इंडियाशजिसमे कांग्रेस आरएलडी आप और अपना दल कमेरावादी भी हैं। कांग्रेस के प्रति इस तबके का साफ्ट कॉर्नर हो जाये तो कोई चौंकने की बात नहीं। मिशन–2024 की तैयारी में जुटी भाजपा के सामने दलितों को साधने की चुनौती है। मोदी–योगी सरकार की गरीबों को केंद्र में रखकर बनाई गई योजनाएं दलितों को नहीं रिझा पाई। भाजपा को उम्मीद थी कि योजनाओं के लाभार्थियों का मत उन्हें जरूर मिलेगा। मैनपुरी लोकसभा और खतौली और घोसी विधानसभा सीटों के उपचुनाव में ऐसा देखने को मिला है। बसपा के चुनाव न लड़ने का फायदा भाजपा नहीं उठा पाई। सपा और रालोद पाले में खींच ले गई हैं। दलितों के बीच पैठ बढ़ाने के लिए पार्टी को नये सिरे से कवायद करनी होगी। नही बनी बात तो दिल्ली का सफर आसान नहीं रह जायेगा। हलांकि 2024 की तैयारी में जुटी भाजपा का फोकस सामाजिक समीकरण साधने पर है। तमाम जातियों के चेहरों को सरकार से लेकर संगठन तक में जगह दी गई है। पार्टी के मौजूदा दलित चेहरे सजातीय मतदाताओं का रुख भाजपा की ओर मोड़ने में नाकाम रहे हैं। खतौली में आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर रावण की मदद से जयंत चौधरी दलितों को रिझाने में सफल रहे तो मैनपुरी और घोसी में सपाई प्रबंधन दलितों में ज्यादा बेहतर दिखा था। दलित वोटरों को लेकर भाजपा को पूरब से पश्चिम तक नये सिरे से बिसात बिछानी होगी। दलितों वोट बैंक को लेकर बीते दिनों दिल्ली में लोकसभा प्रवास योजना की बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपाइयों को नसीहत दी थी कि दलित बस्तियों में सादगी के साथ जाये और उनके बीच का हमदर्द बने। 2024 में बिखरे मोती अपनी माला में पिरोने की एनडीए बनाम इंडिया जंग होनी तय है।

प्रेरणा चित्र भारती फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर का लोकार्पण

लखनऊ(संवाददाता)। प्रेरणा विमर्श–2023 के अंतर्गत प्रेरणा चित्र भारती फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर का लोकार्पण लखनऊ की फिल्म सोसाइटी अवध चित्र साधना की ओर से किया गया। पोस्टर विमोचन के पश्चात कार्यक्रम में भारतीय चित्र साधना के संस्थापक सदस्य श्री अरुण अरोड़ा जी ने फिल्म फेस्टिवल का विषय रखते हुए कहा कि सिनेमा और संस्कृति परस्पर रूप से जुड़े हुए हैं। यह साझी विरासत है जो दो धाराओं को आपस में बाँधती है। भारतीय सभ्यता और संस्कृति के वैश्विक प्रसार एवं प्रचार के लिये सिनेमा एक सशक्त माध्यम है क्योंकि भारतीय अस्मिता की झलकियाँ सिनेमा में मिलती हैं और भारतीय सिनेमा भारतीयता की अनूठी पहचान है। भारतीय पुरातन, ज्ञान, संस्कृति और सभ्यता को विश्वगुरु के रूप में पहचान दिलाने के लिये सिनेमा एक सशक्त माध्यम है। ये फिल्म फेस्टिवल इसी कड़ी में नवोदित फिल्म छात्रों को एक सशक्त प्लेटफार्म देने की पहल है। कार्यक्रम में फिल्मोत्सव के संयोजक डॉ यशार्थ मंजुल ने कहा कि सिनेमा सभी कलाओं को आत्मसात किए हुए है अतः इसका प्रभाव मनुष्य के मन मस्तिष्क पर अधिक होता. डॉ मंजुल ने भारतीय सिनेमा के स्वाधीनता संग्राम पर अपने विचार प्रकट किए.उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 1 से 3 दिसंबर 2023 को गौतम बुद्धा विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में होगा। ये फिल्मोत्सव छात्र केंद्रित है जिसमें प्रतिभाग हेतु फिल्म प्रविष्टियाँ देने की अन्तिम तिथि 5 अक्टूबर 2023 है। इच्छुक छात्र अपनी प्रविष्टियाँ गूगल लिंक– ीजजचेरू्ध्ध्चतमतदं उअंक.पदध् तमहपेजमतवितपिसउे पर भेज सकते हैं। आयोजन की श्रेष्ठ फिल्मों को 200000 रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा. उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि प्रेरणा चित्र भारती फिल्म फेस्टिवल मुख्य रूप से आजादी का अमृत महोत्सव, भारतीय लोकतंत्र, जनजातीय समाज, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड की संस्कृति, पर्यावरण, ग्राम विकास, स्वाधीनता आंदोलन, भविष्य का भारत, सामाजिक सद्भाव, धर्म एवं अध्यात्म एवं महिला सशक्तिकरण है जैसे विषयों पर आधारित फिल्मों को प्रोत्साहन देने का एक प्रयास है. अवध चित्र साधना के सचिव श्री अरुण त्रिवेदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अवध क्षेत्र आरम्भ से फिल्म प्रतिभाओं का गढ़ रहा है और प्रेरणा चित्रभारती फिल्म फेस्टिवल में भी क्षेत्र के नवोदित फिल्म निर्माता बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग करेंगे। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि आज का युग डिजिटल कन्टेंट का युग है। जिसकी वजह से आज भारत के दूर–दराज के क्षेत्रों में भी फिल्म, शॉर्ट फिल्म के संदर्भ में उत्कृष्ट प्रतिभायें निकल कर आ रही हैं। ये फिल्म फेस्टिवल ऐसे ही नवोदित फिल्मकारों को एक दिशा और अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सशक्त प्लेटफार्म प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस फिल्मोत्सव के पश्चात् फरवरी माह में एक राष्ट्रीय फिल्मोत्सव का आयोजन भी भारतीय चित्र साधना की ओर से किया जाएगा.इस दौरान अशोक सिन्हा, डॉ इंद्रेश सिंह उपस्थित एवं बड़ी संख्या में शहर के शिक्षक उपस्थित रहे। पोस्टर लॉंच के दौरान संयुक्त क्षेत्र प्रचार प्रमुख कृपा शंकर, क्षेत्र प्रचार प्रमुख श्रीमान नरेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पं. गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंती योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य के पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री गोविंद बल्लभ पंत को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। जिसके बाद में यहां मीडिया से बात करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बल्लभ पंत ने पहले मुख्यमंत्री के रूप में उत्तर प्रदेश की नींव रखी थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सीएम योगी ने लखनऊ के लोक भवन में पंत को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि आज गोविंद बल्लभ पंत की जयंती है और राज्य व राज्य के लोगों की ओर से मैं उस महान स्वतंत्रता सेनानी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने अपने कॉलेज काल के दौरान देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उत्तर प्रदेश राज्य की नींव रखी थी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में बल्लभ पंत की सेवाओं की भी सराहना की। 10 सितंबर को पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती मनाई जाती है जो एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बाद में भारत सरकार में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। 1950 में पंत उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री के रूप में कांग्रेस के दिग्गज नेता और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी व्यक्ति पंडित गोविंद बल्लभ पंत को स्वतंत्रता के बाद के वर्षों में राज्य में एक स्थिर सरकार प्रदान करने और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने का श्रेय दिया जाता है। विशेष रूप से पंत के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य से जमींदारी प्रथा को समाप्त कर दिया। जनवरी 1955 में जब जवाहरलाल नेहरू देश के प्रधान मंत्री थे, तब पंत ने केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में शपथ ली। 1957 में पंत को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वहीं पंत यूपी के एकमात्र सीएम जिन्हें अब तक देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया है।

टीचर के टॉर्चर से परेशान छात्र ने दी जान

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में एक 24 साल के छात्र ने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिजनों का आरोप है कि कॉलेज के टीचर वाइबा और अतिरिक्त फाइल बनाने का दवाब बना रहे थे। इसकी वजह से बेटे ने यह कदम उठाया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद शिवपुरी इलाके का है। पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक, शिवपुरी इलाक में मो. जफर इकबाल का बेटा शाहरुख (24) का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। घर का गेट काटकर शव को बाहर निकाला गया। शाहरुख काकोरी स्थित राम प्रसाद बिस्मिल कॉलेज में बीटीसी फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों का आरोप है कि कई महीनों से कॉलेज के टीचर

गौतम चंद्र प्रजापति बेटे पर वाइबा और अतिरिक्त फाइल बनाने का दबाव डाल रहा था। इसके चलते बेटा सदमे में चल रहा था। वह गुमशुम रहता था। वह अकेले में रहना पसंद करता था। शिकायत नहीं मिली है। हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कॉलेज में प्रबंध समिति से जुड़े इरफान ने बताया कि कॉलेज में शिक्षक गौतम चंद्र प्रजापति को लेकर पहले किसी भी छात्र की तरफ से कोई शिकायत नहीं दर्ज की गई है। शाहरुख की भी कोई शिकायत नहीं आई है। ऐसे में शिक्षक के प्रताड़ना की बात सही नहीं है। इस समय सभी छात्रों की टीचर ट्रेनिंग चल रही है। फिर भी इस मामले में शिक्षक से पूछताछ की जाएगी। अगर कोई जांच होगी तो पूरा सहयोग किया जाएगा।

धुनकर आयोग का गठन हो : जावेद इकबाल मंसूरी

लखनऊ(संवाददाता)। मुस्लिम समाज की आबादी में सबसे बड़ी आबादी मंसूरी समाज के लोगो की है,लेकिन आज भी समजिक रूप से मंसूरी समाज हर क्षेत्र में पिछड़ा है।मंसूरी समाज के आर्थिक रूप से पिछड़ने का मुख्य कारण मंसूरी समाज के पुस्तैनी रुई धुनने के कारोबार ,उद्योग को वह सुविधाएं नही मिली जो दूसरे कारोबार, उद्योग को मिली,सरकारी उपेक्षा के कारण मंसूरी समाज के पुस्तैनी कारोबार पर पूंजीपतियो का कब्जा होता जा रहा है सरकार धुनकर समाज को वह सुविधाएं नही दे रही है जो दूसरे समाज के लोगो को उनका पुस्तैनी कारोबार बचाने के लिए दे रही है इस लिए सरकार धुनकर समाज की समस्याओं ,उनके पिछेड़ेपन को दूर करने के लिए धुनकर आयोग का गठन कर इस समाज के समस्याओं से अवगत हो और धुनकर समाज को कारोबारध्उद्योग करने के लिए रूई ध् ुनने की आधुनिक मशीनों खरिदने के लिए सब्सिडी लोन,बिजली सब्सिडी समेत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराए ताकि धुनकर समाज भी तरक्की की मुख्य धारा में जुड़ सके।यह बात आज लखनऊ में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में जमीअतुल मंसूर के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व यू पी एग्रो के चेयरमैन पूर्व राज्यमंत्री जावेद इकबाल मंसूरी ने कही। उन्होंने कहा कि मंसूरी समाज पूरे देश अलग अलग नामो से जाना जाता है,इसीलिए जमीअतुल मंसूर ने सारे देश मे मंसूरी समाज जागरूकता अभियान चला रखा है,मंसूरी समाज के लोग सारे देश मे है इस समाज के लोगो का मुख्य पेशा रुई धुनना रहा है।जावेद इकबाल मंसूरी ने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में मंसूरी समाज का यह पेशा पूंजीपतियों के हाथ मे चला गया है । सरकार जिस तरह बुनकरों को अपना उद्योग लगाने के लिए बिजली में सब्सिडी व अन्य सुविधाएं देती है उसी तरह धुनकर समाज को भी वो सारी सुविधाएं उपलब्ध कराये जो बुनकरों को उपलब्ध है,इसके लिए सरकार जल्द ही किसी पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में धुनकर आयोग का गठन कर धुनकर और मंसूरी समाज समस्याओं का अध्यन करा लें। पत्रकार वार्ता में उपस्थित जमीअतुल मंसूर के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री हाजी आर ए उस्मानी के कहा कि धुनकर आयोग के गठन की मांग को सारे देश मे मजबूती से उठाने के लिए जमीअतुल मंसूर के प्रदेश अध्यक्षो की एक मीटिंग हुई जिसमें 8 प्रदेशो के अध्यक्ष शामिल हुए।इस बैठक के तय हुआ है आगामी 2 अक्टूबर से सारे प्रदेशों में धुनकर आयोग बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और सारे प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश के मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री मंत्री व सभी दलों का विधायक ,सांसदों को ज्ञापन देगे। पूर्व मंत्री ने बताया जमीअतुल मंसूर के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद इकबाल मंसूरी के नेतृत्व में धुनकर आयोग की मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह से भी एक प्रतिनिधि ा मंडल मुलाकात करेगा। प्रेस कांफ्रेस में जमीअतुल मंसूर के राष्ट्रीय महाचसिव शहजाद मंसूरी, जमीअतुल मंसूर उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष हाजी रबिउल्लाह मंसूरी ,प्रदेश उपाध्यक्ष मुश्ताक मंसूरी ,अजीज मंसूरी , संगठन मंत्री आजाद हुसैन मंसूरी,कोषाध्यक्ष इंजीनियर एफ एम खान मंसूरी ,मध्य प्रदेश अध्यक्ष नसीम मंसूरी ,दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सखावत मंसूरी ,बिहार प्रदेश अध्यक्ष अजीम मंसूरी ,महाराष्ट प्रदेश अध्यक्ष नजीर मंसूरी ,उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शहजाद मंसूरी , गुजरात प्रभारी यूसुफ मंसूरी ,राजस्थान प्रभारी शमशाद मंसूरी , झारखण्ड प्रदेश संगठन मंत्री अब्दुल मंसूरी समेत अनेक लोग उपस्थित थे। पत्रकार वार्ता से पूर्व जमीअतुल मंसूर के राष्ट्रीय महाचसिव शहजाद मंसूरी समेत सभी दूसरे प्रदेश से पदाधिकारियों का उत्तर प्रदेश जमीअतुल मंसूरी की टीम ने फूल मालाओ से स्वागत किया।

धैर्य रखिए, हम बिल्कुल मंत्री बनेंगे : ओपी राजभर

लखनऊ(संवाददाता)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने रविवार को दावा किया कि उन्हें और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दारा सिंह

चौहान को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री बनाया जाएगा। चौहान, हाल में घोसी विधानसभा उपचुनाव हार गये हैं। वह समाजवादी पार्टी (सपा) छोड़कर सत्तारूढ़ दल भाजपा में जुलाई में शामिल हुए थे। शुक्रवार को हुई मतगणना में सपा के सुधाकर सिंह से 42,759 मतों के अंतर से उन्हें शिकस्त मिली। पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक प्रमुख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता एवं सुभासपा अध्यक्ष राजभर मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र में चौहान के लिए मुख्य चुनाव प्रचारक थे। जिले में राजभर समुदाय के मतदाताओं की अच्छी–खासी संख्या है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, संवाददाताओं के साथ बातचीत के दौरान, यह पूछे जाने पर कि विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि उपचुनाव के नतीजों के बाद उन्हें (राजभर) और चौहान को राज्य सरकार में मंत्री नहीं बनाया जाएगा, राजभर ने कहा ''क्यों नहीं? धैर्य रखिए, हम बिल्कुल (मंत्री) बनेंगे। उन्होंने कहा, ''हम राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) में हैं और राजग के मालिक (मुखिया) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी (भाजपा) प्रमुख जेपी नड्डा हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उपचुनाव में हार के बाद सुभासपा राजग से अलग हो जायेगी, राजभर ने कहा कि उनका दल राजग का हिस्सा बना रहेगा। राजभर ने कहा, हमारा गठबंधन लोकसभा चुनावों के लिए है, उपचुनाव के लिए समझौता नहीं हुआ है।

मखदूम शाहमीना शाह की दरगाह पर पेश की अकीदत की चादर

लखनऊ(संवाददाता)। चौक स्थित मखदूम शाहमीना शाह बाबा का 561 वां उर्स मुबारक बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस मुबारक मौके पर दरगाह पर समाजसेवियों और पत्रकारों ने भी अकीदत की चादर पेश की और मुल्क में आपसी भाईचारा,अमन चौन,सुख शांति और प्रदेश की खुशहाली के लिए इज्तिमाई शक्ल में विशेष दुआएं की। इस अवसर पर प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीज सिद्दीकी और उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद, सचिव जुबैर अहमद, होमियोपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी, प्रिन्ट मीडिया के राष्ट्रीय महामंत्री परवेज अख़्तर, वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र कुमार खन्ना, एस.बी न्यूज के शबाब नूर, आरएसएस न्यूज के सय्यद गुलाम हुसैन,कामरान एक्सप्रेस के जमील मलिक,व मोहम्मद इकराम उर्फ गुड्डू,वरिष्ठ छायाकार आरिफ मुकीम,पत्रकार रामबाबू,सुभाष चंद्र, इत्यादि मौजूद रहे।इन सबकी मौजूदगी में दरगाह के सज्जादा नशीन व मुतवल्ली राशिद अली मीनाई ने मजार शरीफ पर समाज के सभी वर्गों और पत्रकारों की खुशहाली के लिए अल्लाह से दुआएं मांगी।इस मौके पर सज्जादा नशीन राशिद अली मीनाई ने बताया कि इस उर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए श्रद्धालु मखध्दूम शाहमीना शाह बाबा को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं,रात भर सूफी कव्वाली होती है इसी के साथ लंगर का आयोजन व वितरण भी किया जाता है। इसी क्रम में लखनऊ के अलावा देश विदेश में भी मशहूर वाहिद बिरयानी ग्रुप की ओर से आबिद अली कुरैशी ने वेज बिरियानी और शीरमाल व रोटी वहां मौजूद जायरीनों को बांटी।इसके अलावा इस रूहानी महफिल में उस वक्त माहौल और सूफियाना हो गया जब वरिष्ठ समाजसेवी शहजादे कलीम ने अजमेर शरीफ से लाई (विशेष शमा) को सज्जादा नशीन राशिद अली मीनाई को भेंट किया। जिस शमा के लिए ये प्रचलित है,जिससे,अजमेर शरीफ में खध्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती रहव की दरगाह शरीफ में शमा रोशन की जाती है, जिसको छू लेने भर से ही मन का अंधेरा दूर हो जाता और शांति महसूस होती है।आयोजन के अंत में पत्रकारों और समाजसेवियों को सज्जादा नशीन राशिद अली मीनाई ने मजार मुबारक की चादर ओढ़ाकर और तबर्रुक देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सपा नेता, मो यामीन शहरोज एजाज,तारिक,आदिल खान व ओवैस सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ओमप्रकाश राजभर ने अन्दर ही अंदर किया हमे सपोर्ट : सुधाकर

लखनऊ(संवाददाता)। घोसी विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल करने वाले सपा के उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में जीत का श्रेय घोसी की जनता के साथ ही सुभाषपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को भी दिया। उन्होंने कहा कि राजभर ने हमको अन्दर ही अन्दर ही सपोर्ट किया। यहीं कारण है कि हमें 42 हजार वोटों से जीत मिली। उन्होंने कहा कि जनता की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। सुधाकर सिंह ने कहा कि जनता ने जिसको चाहा उसको चुना। मतगणना के दौरान भाजपा प्रत्याशी के मतगणना स्थल से नदारद रहने पर कहा कि वह हमारे मित्र हैं, वह पहले ही आजमगढ़ चले गए। घोसी उपचुनाव के परिणाम पर पूरे देश की निगाहें थीं।

लखनऊ में सेवानिवृत्त आईएएस अफसर के खिलाफ मुकदमा

लखनऊ(संवाददाता)। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजेंद्र कुमार सिंह और तीन अज्ञात पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने, लूट, धोखाधड़ी और 50 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया गया है। राजेंद्र सिंह और उनके तीन साथियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर अलीगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। रिटायर्ड आईएएस अधध्किारी राजेंद्र सिंह महानगर सिविल अस्पताल के पास रहते हैं। कल्ली पश्चिम में 14 बीघा 15 बिसवा जमीन के नाम पर रुपये हड़पने का आरोप है। मुकदमा विकल्प खण्ड गोमतीनगर के रहने वाले अवधेश श्रीवास्तव ने दर्ज कराया है। बताया जा रहा है एक माह पहले राजेंद्र सिंह सेवानिवृत्त हुए हैं।

बरेली के महंत ने खटखटाया मुख्यमंत्री का दरवाजा

लखनऊ(संवाददाता)। बरेली जनपद में बदांयू रोड स्थित भूतेश्वरनाथ मन्दिर के महंत सोमवार गिरी ने भूमाफियाओं से परेशान होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दरवाजा खटखटाया है। महंत सोमवार गिरी ने शिकायत की है कि मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जा करके कुछ दबंग कालोनी बनाकर प्लाटिंग करने का प्रयास कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि शीघ्र मन्दिर परिसर खाली कर दो वर्ना अंजाम ठीक नहीं होगा। मन्दिर समाज की आस्था का प्रतीक है और प्राचीनतम मन्दिर है। महंत सोमवार गिरी ने उन्होंने एक प्रार्थना पत्र लोक शिकायत में दिया जिससे नया निर्माण पर रोक लगा दी गई । इसके बावजूद फिर से कब्जा और निर्माण विपक्षियों ने प्रारंभ कर दिया। जबकि इस बाबत न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन बरेली में विचाराधीन भी है। महंत ने मुख्यमंत्री से अवैध कब्जा और निर्माण रोकने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस को निर्देशित करने की गुहार लगाई है। योगी हुकूमत में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम हो रहा है किंतु कुछ दबंगों में अभी तनिक भी भय नहीं है। महंत सोमवार गिरी को सीएम योगी आदित्यनाथ से बड़ी उम्मीदें हैं, कहते हैं वे न्याय जरूर करेंगे।

आकाशीय बिजली गिरी,महिला समेत तीन लोग झुलसे

बांदा(संवाददाता)। जनपद में आकाशीय बिजली गिरने से महिला समेत 3 लोग झुलस गए। लोगों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने झुलसे लोगों को बबेरू सीएचसी में भर्ती कराया। जहां पर गंभीर हालत देखते हुए उन्हें बांदा जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पूरा मामला

बांदा जनपद के मरका थाना क्षेत्र के अरमार गांव का है। रामखेलवान (70) विजय (16) अपने खेतों में जानवर चरा रहे थे, तभी तेज बारिश होने लगी और वह पेड़ के नीचे आ खड़े हुए। तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिससे ये दोनों झुलस गए। दूसरी घटना में बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत निभौर गांव निवासी शोभा (40) अपने खेतो में बकरिया चराने गई हुई थी। उसी बीच अचानक तेज बारिश होने लगी जिसकी वजह से वह पेड़ के नीचे खड़ी हो गई तभी तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी। जिसकी वजह से वह उसकी चपेट में आ गई। परिजनों को जैसे ही जानकारी मिली तो उसे तुरंत सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद महिला की हालत गंभीर देखते हुए बांदा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां पर महिला का इलाज किया जा रहा है।

जिला पंचायत सदस्य ने घर में घुसकर की छेड़छाड़

बांदा(संवाददाता)। जिले में छेड़छाड़ के मामले को लेकर बसपा नेता और जिला पंचायत सदस्य कमलेश साहू और उनके फुफेरे भाई समेत 10 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया की एक हफ्ता पहले बसपा नेता और नरैनी वार्ड 28 से जिला पंचायत सदस्य चार पहिया गाड़ी में बैठ कर आए और घर में घुसने का प्रयास किया, जब विरोध किया तो जबरन जीप में बैठाने की कोशिश करने लगे। शोर मचाने पर मोहल्ले के

लोग इकट्ठा हो गए और उन्हें देख ये लोग वहां से निकल गए। एसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामला बांदा जनपद के नारायणी तहसील क्षेत्र का है, जहां की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि एक हफ्ता पहले बसपा नेता और उसके साथी घर में घुस आए और अश्लील हरकत करने लगे। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो जबरन उसे गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। पीड़िता के शोर मचाने पर लोगों को इकट्ठा होते देख आरोपी वहां से भाग निकले। पीड़िता ने इसकी शिकायत एसपी अंकुर अग्रवाल से की। वहीं पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा लिखा गया है। वहीं मामले में जिला पंचायत सदस्य ने झूठा फंसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती का मेडिकल कराया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। नरैनी के थाना प्रभारी अरविंद सिंह गौर ने बताया कि युवती ने कई लोगों पर रेप करने की कोशिश का आरोप लगाया है। युवती की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है। युवती की मेडिकल जांच कराई गई है। रिपोर्ट आने के बाद युवती के कोर्ट में बयान कराए जाएंगे। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सफेद जूतों को चमकाने के लिए फॉलो करें ये अमेजिंग हैक्स, फिर से लगने लगेंगे नए

हमारे लुक में चार चांद लगाने के लिए अच्छे जूते होना बहुत जरूरी होता है। कहा जाता है कि इंसान की पहचान उसके जूतों को देखकर की जाती है। इसलिए आज भी लोग जूतों पर इंवेस्ट करते हैं। वहीं व्हाइट स्नीकर्स ना सिर्फ पहनने में बल्कि यह देखने में भी काफी ज्यादा अच्छे होते हैं। आप हर तरह के आउटफिट्स के साथ व्हाइट जूतों को कैरी कर सकती हैं। लेकिन यह आसानी से

गंदे हो जाते हैं। ना सिर्फ गंदे बल्कि व्हाइट स्नीकर्स पर दाग भी लग जाते हैं। जिसके कारण इनको बार–बार पहनने का मन नहीं होता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि व्हाइट स्नीकर्स को साफ करने के लिए आपको किसी महंगे क्लीनर आवश्यकता नहीं है। आप कुछ घरेलू चीजों की मदद से भी व्हाइट स्नीकर्स की सफाई कर सकते हैं। आइए जानते हैं घरेलू चीजों से स्नीकर्स की सफाई कैसे करनी चाहिए। इसके साथ ही जूतों की किस तरह से देखभाल करनी चाहिए।

डिश सोप से साफ करें स्नीकर्स

डिश सोप से आप सिर्फ बर्तन ही नहीं बल्कि अन्य चीजों को भी चमका सकती हैं। डिश सोप क्लीनिंग का एक बहुत अच्छा ऑप्शन है। ऐसे में आप डिश सोप का उपयोग व्हाइट स्नीकर्स को भी साफ करने के लिए कर सकती हैं। इसके लिए आपको एक चम्मच डिश सोप में 1 कप पानी मिलाना होगा। फिर किसी पुराने ब्रश की मदद से लिक्विड जूतों पर डालकर इसे अच्छे से रगड़ कर साफ कर लें। इस तरीके से आपके जूते नए जैसे हो जाएंगे।

ऐसे साफ करें स्नीकर्स पर लगे दाग

अगर आपके भी व्हाइट स्नीकर्स में दाग लग गया है। तो ब्रिसल वाले टूथब्रश को डिश सोप में भिगो दें। इसके बाद दाग वाली जगह पर टूथब्रश को सर्कुलर मोशन में घुमाएं। इसे तब तक करते रहें, जब तक जूतों पर लगा दाग हल्का ना हो जाए। रब करने के साथ हल्का दबाव भी डालें। इससे जूतों पर लगा दाग हल्का हो जाएगा। फिर डिश सोप में मैजिक इरेजर को भिगोएं। अब इस इरेजर से जूते के सोल को साफ कर लें। आपको किसी भी लोकल डिपार्टमेंट स्टोर पर मैजिक इरेजर मिल जाएगा।

ऐसे सुखाएं जूता

बता दें कि जूतों को सही तरीके से सुखाना बहुत जरूरी है। क्योंकि जूते नमी के कारण जल्दी खराब हो सकते हैं। इसलिए जूते में मौजूद सोप को पेपर टॉवल या कपड़े से सोख लें। जिससे कि यह गीला ना रहे। फिर जूतों को हवा में सूखने के लिए रख दें। जूतों को डायरेक्ट सनलाइट में नहीं रखना चाहिए।

बेकिंग सोडा से साफ करें जूता

खाने से लेकर घर की सफाई तक के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आपको भी जूतों से दाग हटाना है तो इसके लिए बेकिंग सोडा एक घरेलू और असरदार उपाय है। 1 चम्मच गर्म पानी, 1 चम्मच व्हाइट विनेगर में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिक्स कर लें। इसके बाद बेकिंग सोडा ब्रश पर लगाएं। फिर इसे जूतों पर अच्छे से रब करें। इसे रब करने के बाद जूतों को 3–4 घंटे के लिए सूखने को छोड़ दें। फिर किसी कपड़े या उंगली की मदद से इस पेस्ट को हटा लें।

ये नुस्खा भी है कारगर

व्हाइट स्नीकर्स पर लगे दाग को हटाने के लिए आप टूथपेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए आप टूथपेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाएं। फिर टूथपेस्ट को रब करें और कुछ समय बाद गीले कपड़े की मदद से जूतों को साथ कर लें। इसके अलावा आप जूतों को हाइड्रोजन पेरॉक्साइड से भी आसानी से साफ कर सकती हैं। हाइड्रोजन पेरॉक्साइड को पानी में मिक्स कर लें। फिर इससे आप जूतों को साफ कर सकती हैं।

ऐसे करें व्हाइट स्नीकर्स की देखभाल

व्हाइट स्नीकर्स पर दाग लगने पर इसे फौरन साफ कर लेना चाहिए।

जाना जूतों को साफ कपड़े से पोंछ लें। ऐसा करने से जूतों पर लगी गंदगी और धूल आसानी से साफ हो जाएगी। वहीं सप्ताह में एक बार जूतों की अच्छे से सफाई कर लें।

मशीन में धोने की जगह जूतों को हाथ से धोना चाहिए। इन्हें धोने के लिए किसी हार्श केमिकल वाले डिटर्जेंट को इस्तेमाल ना करें।

जूतों को साफ करने के लिए ब्लीच का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। हालांकि ब्लीच से दाग तो आसानी से साफ हो जाते हैं, लेकिन इससे जूते का फैब्रिक खराब हो जाता है।

जूतों की सफाई के बाद इनको अच्छे से सुखाया जाना जरूरी होता है। क्योंकि गीले जूतों से ना सिर्फ पैरों से बदबू आने लगती है, बल्कि जूते भी जल्दी खराब हो जाते हैं।

इन टिप्स को अपनाएं, घर रहेगा डस्ट फ्री

घर एक ऐसी जगह है, जहां पर आकर लोग सुकून का अहसास करते हैं। लेकिन घर तभी अच्छा लगता है, जब वह साफ–सुथरा हो। यूं तो हम सभी अपने घर की रेग्युलर क्लीनिंग करते हैं, लेकिन हर कोने की डस्टिंग

करना संभव नहीं होता है। कई बार हम कुछ जगहों को ऐसे ही छोड़ देते हैं, जिसके कारण वहां पर धूल–मिट्टी जमा होने लगती है। बाद में, क्लीनिंग करना एक टफ टास्क लगता है। हालांकि, अगर आप हमेशा ही अपने घर को डस्ट फ्री रखना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ छोटे–छोटे टिप्स अपना सकते हैं–कालीन का कम करें इस्तेमाल

यह सच है कि कालीन आपके घर को एक ग्रेसफुल लुक देते हैं, लेकिन इनमें धूल के कण अधिक मात्रा में जमा होते हैं। ऐसे में उन्हें हर दिन वैक्यूम करने की जरूरत होती है। इसलिए, अगर आप अपने घर को डस्ट फ्री रखना चाहते हैं तो ऐसे में वहां पर कालीन का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह, आप विनाइल कारपेट का इस्तेमाल करें। आजकल मार्केट में बेहद खूबसूरत विनाइल कारपेट मिलते हैं, जो आपकी फ्लोरिंग को एक डिफरेंट लुक देते हैं और धूल को भी दूर रखते हैं।

खिड़कियां रखें बंद

अगर आपका घर ऐसी जगह पर हैं, जहां से सीधे धूल–मिट्टी घर में आती है तो ऐसे में अपने घर को डस्ट फ्री रखने के लिए बेहद जरूरी है कि आप खिड़कियों को बंद रखें। अगर आप चाहें तो सुबह जल्दी या देर रात खिड़कियां खोल सकते हैं। लेकिन ट्रैफिक के टाइम पर इन खिड़कियों को खोलने से घर में अतिरिक्त धूल–मिट्टी आ सकती है।

डेकोरेशन पर दें ध्यान

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में धूल–मिट्टी कम जमा हो तो ऐसे में आपको डेकोरेशन पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए। आपको ऐसी डेकोर आइटम्स चुननी चाहिए, जिन्हें क्लीन करना अधिक आसान हो और उसमें धूल फंसने या जमा होने की संभावना कम हो।

डोरमैट का करें इस्तेमाल

घर में गंदगी व धूल की एक मुख्य वजह बनते हैं डोरमैट। इसलिए, अपने घर में प्रवेश द्वार पर डोरमैट का इस्तेमाल जरूर करें। इससे जूतों से गंदगी और धूल को रोकने में काफी मदद मिलती है।

पैरों की फटी एड़ियां बनेगी एकदम सॉफ्ट, इन घरेलू नुस्खों से करें केयर

चेहरे के साथ–साथ पैरों की देखभाल करना भी जरुरी होता है, यदि इनकी देखभाल अच्छे से न की जाए तो पैरों की एड़ियां फटने लगती हैं। इनके फटने के कई और भी कारण हो सकते हैं जैसे बदलता मौसम, शरीर में पोषक तत्वों की कमी, थायराइड, सोरायसिस, थायराइड और अर्थराइटिस जैसी बीमारियां भी एड़ियों के फटने के लिए जिम्मेदार हो सकती हैं यदि समय रहते इस समस्या पर गौर न किया जाए तो इनमें तेज दर्द और खून भी निकल सकता है। फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में....

शहद

शहद का इस्तेमाल करके आप फटी एड़ियों की समस्या से राहत पा सकते हैं। एक बाल्टी पानी में शहद मिलाएं। इसके बाद 15–20 मिनट इसमें अपने पैरों को डूबोकर रखें। इसके बाद एड़ियों पर स्क्रब करें स्क्रब करने के बाद गुनगुने पानी से पैर धो लें। रोजाना इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से फर्क नजर आने लगेगा।

एलोवेरा

एलोवेरा भी फटी एड़ियों से राहत दिलवाने में फायदेमंद हो सकता है। बाल्टी में गुनगुना पानी भरें फिर 5–10 मिनट पानी में पैर डूबोकर रखें तय समय बाद पैर सूखा लें। इसके बाद एलोवेरा जेल लगाएं और फिर मोजे पहन लें। रातभर के लिए एलोवेरा जेल एड़ियों पर लगाएं और सुबह नॉर्मल पानी से इन्हें धो लें।

नींबू, ग्लिसरीन और गुलाब जल का मिश्रण

इन तीनों चीजों से बने मिश्रण भी फटी एड़ियों के लिए फायदेमंद होगा। बाल्टी को गुनगुने पानी के साथ आधा भर लें फिर इसमें नींबू का रस, एक चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। फिर इसमें पैरों को 15–20 मिनट के लिए डूबोकर रखें इसके बाद फुट स्क्रबर के साथ एड़ियों को स्क्रब कर लें। फिर ग्लिसरीन और गुलाब जल के मिश्रण को एड़ियों पर लगाकर मौजे पहन लें। रातभर मिश्रण को पैरों में लगा रहने दें और अगली सुबह धो लें। लगातार इस्तेमाल करने से आपको फर्क दिखने लगेगा।

नारियल तेल

नारियल तेल के साथ पैरों की एड़ियों की मसाज करें। मसाज करने के बाद मोजे पहन लें। तेल को रातभर एड़ियों पर लगा रहने दें।

पेट्रोलियम जेली

फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए पेट्रोलियम जेली काफी असरदार हो सकती है। इससे एड़ियों की दरारें भरने लगेगी। एड़ियों पर जेली की पतली परत लगाएं और रातभर ऐसे ही रहने दें। सुबह उउठकर एड़ियां धो लें आपको फर्क दिखने लगेगा।

वेट लॉस में बेहद फायदेमंद हैं मशरूम की ये रेसिपीज, कुछ ही समय में दिखने लगेगा असर

आज के समय में मोटापा लोगों के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण बड़ी संख्या में लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं। वहीं बढ़े हुए वजन को कम करने के लिए कई एड़ी–जोटी का जोर लगाते हैं। कुछ लोग डाइटिंग का सहारा

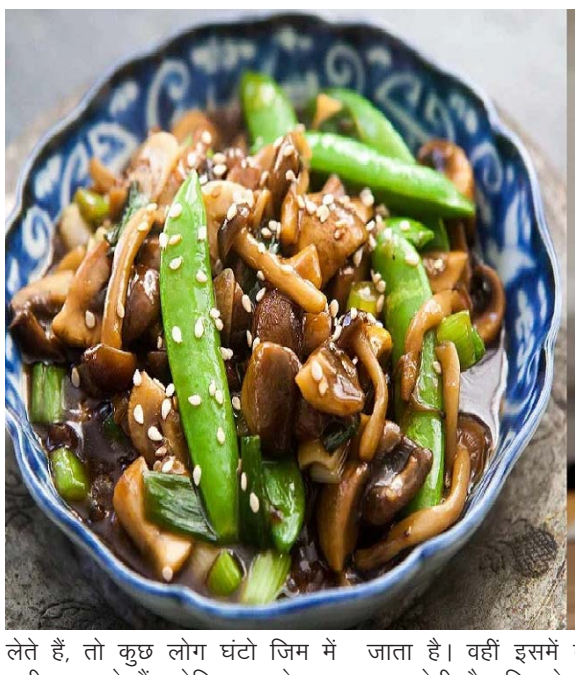

लेते हैं, तो कुछ लोग घंटो जिम में पसीना बहाते हैं। लेकिन इसके बार भी रिजल्ट ना मिलने पर निराश हो जाते हैं। कुछ लोग वेट लॉस के चक्कर में अपनी डाइट से कई चीजों को बाहर कर देते हैं। अगर आप भी वजन ना घटने से हम आपको इस आर्टिकल के जरिए एक ऐसी चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप अपनी डाइट में शामिल कर अपना वेट आसानी से घटा सकते हैं। अगर आप भी वजन कम करना चाहते हैं तो आपको अपनी डाइट में मशरूम को जरूर शामिल करना चाहिए। बता दें कि मशरूम सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। मशरूम में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन–बी, विटामिन–डी, जिंक, सेलेनियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाया जाता है। वहीं इसमें कैलोरी काफी कम होती है। जिससे आपका वजन भी कंट्रोल में रहता है। आइए जानते हैं वेट लॉस के लिए मशरूम का किस तरह से सेवन करना फायदेमंद होता है।ब्रेकफास्ट में शामिल करें मशरूम

वेट लघॅस के लिए आपको ब्रेकफास्ट में मशरूम का सेवन करना चाहिए। इसके लिए आपको मशरूम को छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इसमें ओट्स और दलिया मिलाकर सेवन करें। वहीं अगर आप अंडा खाते हैं, तो मशरूम का ऑमलेट बनाकर खा सकते हैं। मशरूम का ऑमलेट भी नॉर्मल ऑमलेट की तरह तैयार होता है। ब्रेकफास्ट में मशरूम का सेवन करने से आपको बार–बार क्रेविंग नहीं होती है। इससे आपको वजन घटाने में आसानी होगी।

मशरूम सूप

वेट लॉस के लिए आपको मशरूम के सूप का सेवन करना चाहिए। मशरूम सूप बनाना काफी ज्यादा आसान है। मशरूम सूप बनाने के लिए आप प्याज, गाजर, अदरक, मशरूम और लहसुन को बारीक काट लें। अब एक पैन में घी गर्म कर उसमें अदरक और लहसुन डालकर भून लें। इसके बाद उसमें प्याज, गाजर और मशरूम डालकर 2–4 मिनट के लिए फ्राई करें। अब इसमें पानी और स्वादानुसार नमक मिला लें। इस तरह से आपका सूप बनकर तैयार हो जाएगा। ऊपर से आप इसमें एक चुटकी काली मिर्च डाल लें। इस सूप के रोजाना सेवन से आपको वजन घटाने में मदद मिलेगी।

मशरूम स्टर फ्राई

वेट लॉस के लिए आप अपनी डाइट में मशरूम स्टर फ्राई भी शामिल कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए गाजर, प्याज, गोभी, मशरूम और टमाटर को बारीक टुकड़ों में काट लें। अब एक पैन में एक चम्मच घी गर्म कर उसमें अदरक और लहसुन को भून लें। फिर इसमें बारीक कटी हुई सब्जियों को डालकर मीडियम आंच पर कम से कम 5 से 7 मिनट तक के लिए पकाएं। आप चाहें तो इसमें पनीर के टुकड़े भी डाल सकते हैं। इसके बाद इसमें काली मिर्च पाउडर, नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिक्स करें। 2–3 मिनट पकाने के बाद आंच बंद कर दें। इस तरह से आपका मशरूम स्टर फ्राई बनकर तैयार हो जाएगा। इस तरह से आपको स्वाद भी मिलेगा और वेट लघॅस में भी मदद मिलेगी।

मशरूम की सब्जी

वजन घटाने के लिए मशरूम की सब्जी का सेवन करना फायदेमंद साबित हो सकती है। मशरूम में फाइबर की भरपूर मात्रा पायी जाती है। जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखती है। वहीं मशरूम में मौजूद पोषक तत्व आपके शरीर को एनर्जी देने का काम करते हैं। साथ ही इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। मशरूम की सब्जी बनाने के लिए आप घी या तेल का इस्तेमाल कम से कम करें।

वजन कम करने में इस तरह मददगार है पपीता

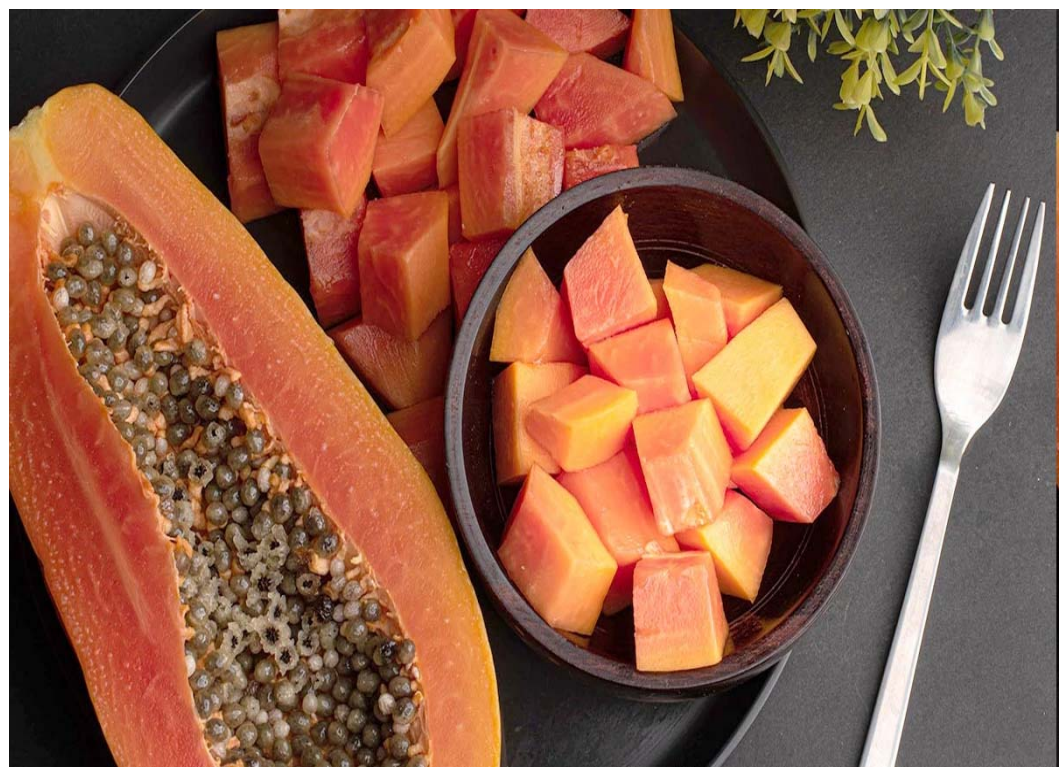

पपीता एक ऐसा फल है, जो साल के बारह महीने आसानी से मिलता है। बेहद कम दाम में मिलने वाला यह सेहत के लिए बेहद ही गुणकारी है। पपीता सिर्फ पाचन तंत्र के लिए ही अच्छा नहीं माना जाता है, बल्कि यह वजन कम करने में भी मददगार है। अगर आप एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीते हुए पपीते को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो इससे यकीनन आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। यह एक नहीं, बल्कि कई तरीकों से वजन कम करने में सहायक है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में–कैलोरी होती है कम

पपीता एक ऐसा फल है, जिसका कैलोरी काउंट काफी कम होता है। इसलिए, जब आप इसका सेवन करते हैं तो आपको फुलर तो महसूस होता है, लेकिन आपका कैलोरी काउंट गड़बड़ाता नहीं है। मिड मील्स में पपीता खाने से आप अनहेल्दी स्नैकिंग करने से बच जाते हैं।फाइबर होता है अधिक

पपीता में डायटरी फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है। जिसके कारण पपीता आपको अधिक देर तक फुलर होने का अहसास करवाता है। फाइबर होने के कारण आप ओवरईटिंग से बच जाते हैं और इससे कैलोरी इनटेक को बैलेंस करने में मदद मिलती है। जिससे आपके लिए वजन कम करना अधिक आसान हो जाता है।

बेहतर हाइड्रेशन पपीते का सेवन करने का एक लाभ यह होता है कि इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। जिसके कारण आपको खुद को हाइड्रेटेड रखने में मदद मिलती है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन कभी–कभी आपका शरीर प्यास को भूख लेता है और इससे आप ओवरईटिंग करने लग जाते हैं। इसलिए, जब आप पपीता खाते हैं तो इससे आपको हाइड्रेटेड रहने से मदद मिलती है, जिससे अनावश्यक स्नैकिंग से बचा जा सकता है।

फैट होता है कम

जिस तरह पपीते में कैलोरी कम होती है, ठीक उसी तरह यह फैट फ्री होता है। इसलिए, जब पपीते को डाइट में शामिल किया जाता है तो इससे आप अपने फैट इनटेक को कम कर पाते हैं और इस तरह वजन कम करना काफी आसान हो जाता है।

पाचन में सहायक

पपीते में पपेन और काइमोपैपेन होते हैं, जो पाचन में सहायता करते हैं और कब्ज से लड़ते हैं। इतना ही नहीं, यह पेट के अल्सर की रोकथाम और उपचार करने में भी मदद कर सकता है। हेल्दी गट और डाइजेस्टिव सिस्टम वजन कम करने में सहायक माना जाता है।

चाकू साफ करते समय इन छोटे-छोटे टिप्स का रखें ध्यान

हम सभी अपनी किचन में चाकू का इस्तेमाल तो करते ही हैं। फल–सब्जियों से लेकर अन्य कई चीजों को काटने के लिए हमें चाकू की जरूरत पड़ती है। इतना ही नहीं, कभी–कभी तो दिन में कई बार हम चाकू का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इस्तेमाल के बाद उसे क्लीन करना भी उतना ही जरूरी होता है। यह देखने में आता है कि जब हम चाकू को साफ करते हैं तो कई बार हमारे हाथ में चोट लग जाती है। इतना ही नहीं, अगर चाकू को सही तरह से क्लीन नहीं किया जाता है तो इससे वे जल्द ही खराब हो जाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे–छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको चाकू साफ करते समय ध्यान रखना चाहिए–सिंक में ना डालें

अक्सर हम गंदे बर्तनों को सिंक में रख देते हैं। लेकिन जब बात चाकू की हो तो उसे सिंक में ना रखने की सलाह दी जाती है। ऐसा संभव है कि जब आप बर्तनों की सफाई करें तो सिंक में रखा हुआ चाकू गलती से आपको लग जाए। ऐसी किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए आप या तो चाकू को इस्तेमाल के बाद तुरंत क्लीन करें या फिर उसे सिंक के साइड में रखें।

गर्म साबुन वाले पानी का करें इस्तेमाल

एक बार इस्तेमाल करने के बाद चाकू को तुरंत साफ करना जरूरी होता है। उपयोग के तुरंत बाद आप चाकू को गर्म साबुन वाले पानी से धोएं। उन्हें लंबे समय तक गंदा छोड़ने से बचें, क्योंकि इससे दाग और जंग लग सकता है।

डिशवॉशर में ना करें क्लीन

अगर आपके घर में डिशवॉशर है तो आप चाकू को उसमें डालने से बचें। दरअसल, डिशवॉशर का हाई प्रेशर वॉटर, डिटर्जेंट और गर्मी ब्लेड और हैंडल को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

स्पंज का करें इस्तेमाल

जब आप चाकू को साफ करते हैं तो उसे क्लीन करने के लिए किसी मुलायम कपड़े या स्पंज का उपयोग करें। कभी भी इसे क्लीन करने के लिए एब्रेसिव स्कोअरिंग पैड का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे चाकू के सरफेस पर खरोंच आ सकती है।

तुरंत सुखाएं

यह भी एक छोटा सा टिप है, लेकिन इस ओर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते हैं। चाकू को धोने के बाद उसे तुरंत साफ, सूखे तौलिये से सुखाएं। ध्यान रखें कि यह बहुत लंबे समय तक गीला ना रहे। दरअसल, नमी से चाकू में जंग लग सकता है और वह खराब हो सकता है।

प्रशासन के रवैये से नाराज किसान अब करेंगे 26 को मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी के मोहनलालगंज में भाजपा विधायक व सांसद होने के बाद भी जर्जर सड़क नगराम खुझौली मार्ग का निर्माण नही हो सका और न ही किसानों की सर्किल रेट बढ़ाने की मांग ही पूरी हो सकी।इस मुद्दे को लेकर बीते बीस अगस्त से राष्ट्रीय मजदूर किसान संगठन के कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष बहादुर वर्मा के नेतृत्व में धरने पर बैठे है।लेकिन उसके बाद भी शासन प्रशासन टस से मस नहीं हुआ।नाराज किसानों ने आज बैठक कर बड़ा एलान करते हुए कहा है कि आगामी 26 सितंबर को मुख्यमंत्री को अपनी समस्या बताएंगे। किसान नेता धरना स्थल से ही मुख्यमंत्री आवास कुच करेंगे।किसानों ने आज रविवार को धरना स्थल पर खुझौली से नगराम तक सड़क न बनने व सर्किल रेट न बढ़ाने पर कड़ी नाराजगी ब्यक्त की।राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर वर्मा व जिलाध्यक्ष दिनेश यादव व जिला महामंत्री रामसिंह व तहसील अध्यक्ष प्रमोद कुमार व मंडल सचिव हरिपाल व सचिव राकेश कुमार तथा राधेश्याम लोधी व नीरज त्रिवेदी तथा बलवेन्दु सिह व राम प्रताप व ब्लाक अध्यक्ष गोसाईगंज व जिला महामंत्री रामसिंह ने आज एक स्वर में शासन व प्रशासन के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि 26 सितंबर को बड़ा आंदोलन कर किसान मुख्यमंत्री आवास के लिए प्रस्थान करेंगे।किसानों ने कहा है कि उनका ग्यारह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राजस्व मंत्री व मुख्यमंत्री को अपनी समस्या बताएगा।यदि इसके बाद भी दोनो मांगो पर तत्काल कार्रवाई न हुई तो किसान और भी रास्ते अपनाने के लिए मजबूर होंगे।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लंबे समय से सड़क खराब पड़ी है लोगो का उस पर चलना मुश्किल हो गया है।बड़े अफसरो ने सड़क का निरीक्षण भी किया लेकिन सड़क अभी तक नही बन पाई।उन्होंने कहा कि इलाकाई जनप्रतिनिधि इसे बनवाने में कोई रुचि नही ले रहे है।यदि वह रुचि लेते तो अब तक यह सड़क बन गई होती।जिसके चलते मजबूरन अपने हक के लिए किसानों को धरने पर बैठना पड़ा लेकिन इसके बाद भी कोई सुनवाई नही हो रही है।उन्होंने कहा कि प्रशासन के रवैये को अब प्रदेश के मुख्यमंत्री से बताया जायेगा।

पीएमश्री योजना के लिए अयोध्या के 365 विद्यालयों की होगी स्क्रीनिंग

अयोध्या(संवाददाता)। केंद्र सरकार व प्रदेश की योगी सरकार के महत्त्वाकांक्षी योजना पीएमश्री के तहत अयोध्या के 365 प्राथमिक स्कूल इस बार कसौटी पर कसे जाएंगे। सूचीबद्ध किए गए इन विद्यालयों में से 20 का चयन किया जाना है। जिनमें माडल स्कूल की तरह सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कक्षाओं का विस्तार किया जाएगा। प्ले ग्रुप से लेकर इंटरमीडिएट तक की कक्षाएं संचालित करने की योजना है। इन्हें माडल विद्यालय के नाम से भी जाना जाएगा। बीएसए संतोष कुमार राय ने बताया कि विद्यालयों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। 365 विद्यालयों की स्क्रीनिंग की गई है। इनमें उपलब्ध संसाधनों की रिपोर्ट तैयार करके शासन को भेजी जा रही हैं।पीएमश्री योजना के तहत चयनित स्कूलों में डिजिटल क्लास रूम, डिजिटल लाइब्रेरी व डिजिटल लैब निर्मित किए जाने की योजना है। इसी प्लेटफार्म पर पठन पाठन होगा। इसके अंतर्गत चिन्हित किए गए स्कूलों को योजना के तहत अपग्रेड किया जाएगा। अपग्रेडेशन के अंतर्गत सरकार के द्वारा चिन्हित किए गए स्कूल में स्मार्ट क्लास बनाई जाएगी। इसके अलावा खेलकूद के लिए उचित साधन भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके अलावा जो स्कूल जर्जर हो चुके हैं उनके स्ट्रक्चर में सुधार किया जाएगा। उन्हें सुंदर बनाने का काम किया जाएगा। योजना के अंतर्गत जिन स्कूलों पर काम किया जाएगा, उन्हें पीएम श्री स्कूल के नाम से जाना जाएगा। योजना के तहत देश के हर ब्लॉक में एक स्कूल को शामिल किया जाएगा। साथ ही देश के हर जिले में मौजूद एक माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूल को भी अटैच किया जाएगा। पुराने जर्जर स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री श्री योजना को चालू किया है।

शिक्षक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

अयोध्या(संवाददाता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अयोध्या महानगर के संयोजन में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें महानगर के सौ शिक्षकों को अंगवस्त्र व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथ जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार आर्य, विशिष्टि अतिथि साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अभय प्रताप सिंह व मुख्यवक्ता अभाविप अवध प्रांत के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष देवानंद तिवारी , महानगर अध्यक्ष डा.आलोक कुमार सिंह व महानगर मंत्री सत्यम दुबे माँ सरस्वती स्वामी विवेकानंद और भारत रत्न डॉ सवर्पल्ली राधाकृष्णन के चित्रों पर दीप प्रज्ज्वन और पुष्पार्चन कर किया। मुख्यवक्ता देवानंद तिवारी ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण के लिए संस्कारवान युवा तैयार करें जो राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका निभा सकें। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार आर्य ने कहा कि परिषद एक अनूठा छात्र संगठन है, जो व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की अवधारणा को साकार कर रहा है। कहा कि एबीवीपी का आंदोलन भी रचनात्मकता के लिए होता है, कार्यक्रम का संचालन अभाविप अयोध्या महानगर के उपाध्यक्ष डॉ अंकित मिश्रा ने किया। इस मौके पर महानगर के उपाध्यक्ष डॉ लोकेंद्र उमराव , डॉ अनुराधा गर्ग,डॉ अवधेश शुक्ला ,मनीष सिंह, महानगर सह मंत्री अंश जायसवाल पणनिता राय सौम्या पांडेय, अनुराग मिश्रा,भूपेंद्र शुक्ला शेखर तिवारी अनादि पांडेय प्रियांशु महेश साकेत महाविद्यालय विस्तारक आकाश जी विश्वविद्यालय विस्तारक अश्वनी मौर्या विपिन, मनीष यादव, आशुतोष राणा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकम के समापन पर सामूहिक वन्देमातरम किया गया अंत मे महानगर कार्यक्रम के सयोंजक शिवम मिश्रा जी व संगठन मंत्री अंकित भारतीय ने सभी शिक्षकों का अभिनन्दन कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

सैकड़ो वर्ष पुराना पाकड़ का पेड़ अतिक्रमण की चपेट में

बीकापुर–अयोध्या(संवाददाता)। विकासखंड क्षेत्र के तहसील क्षेत्र के काजी सराय बाजार में जलालपुर माफी शाहगंज मार्ग के किनारे स्थित सैकड़ो वर्ष पुराना पाकड़ का पेड़ और यहां पूर्व में स्थित रहा कुआं अपने अतीत में पुरानी यादों को समेटे हुए हैं। लेकिन अतिक्रमण के चलते या अपना अस्तित्व खोता जा रहा है। तमसा के तट पर बसा रियासत काल का काजी सराय कस्बा किसी जमाने में फरियादियों की पनाह गाह हुआ करता था। बताते हैं कि यहां पर स्थित करीब 400 वर्ष पुराना पाकड़ का पेड़ चौपाल का गवाह है। ग्रामीणों की यहां भीड़ लगती थी तथा धूप और उमस से राहत मिलती थी। यहां के निवासी बुजुर्ग गरीबू, रामधारी विश्वकर्मा सभी को आज भी वह दिन याद है जब यहां पर चौपाल लगती थी और बगल में कुएं का ठंडा और मीठा पानी राहगीरों की थकान तथा प्यास मिटता था। लेकिन अब यह गुजरे जमाने की बात हो गई है। काजी सराय बाजार अब अतिक्रमणकारियों की गुलामी का दंश झेल रही है। यहां तक की तमसा नदी का करीब आधा हिस्सा लोगों के अवैध निर्माण के चलते अतिक्रमण की चपेट में आ गया है। और यहां तमसा नदी काफी सकरी हो गई है। तंग गलियों में घनी बस्ती के रूप में तब्दील हो चुकी काजी सराय और उसकी शान सैकड़ो वर्ष पुराना पकड़ का पेड़ अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष करता दिखाई पड़ रहा है। पकड़ के पेड़ के पास स्थित प्राचीन कुआं अब लुप्त हो चुका है। काजी सराय निवासी सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद शकील एवं यहां के कुछ जागरूक लोगों ने बताया कि लोगों के निर्माण और अतिक्रमण के चलते पुराना पाकड़ के पेड़ का अस्तित्व समाप्त हो रहा है। बताया कि कई बार अधिकारियों से शिकायत भी की गई लेकिन सटीक पहल नहीं हुई। पिछले कुछ समय से लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क का चौड़ीकरण और सड़क के किनारे अतिक्रमण हटाने की मुहिम शुरू की गई है।

आधा दर्जन आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज

बीकापुर–अयोध्या(संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के नेवादा भावापुर गांव में पति–पत्नी और पुत्री की घर में घुसकर पिटाई करने के आरोप में कोतवाली पुलिस द्वारा गांव के ही निवासी आधा दर्जन आरोपियों के विरुद्ध बलवा घर में घुसकर मारपीट करने, गाली गलौज, धमकी देने सहित अन्य धारा में है केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के नवादा भावपुर निवासी गीता देवी पत्नी श्यामलाल की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा गांव के ही निवासी विपक्षी धनीराम, कधई, रामप्रसाद, संजय, मनीराम, तथा विवेक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता का आरोप है कि 5 सितंबर को रात करीब 8 बजे विपक्षीगण उनके सहन पर आ गए। और उनके पूरे परिवार को गालियां देने लगे। उन्होंने जब गाली देने से मना किया तो उन्हें मारने के लिए दौड़ा लिए। जब वह अपनी जान बचाने के लिए घर में घुस गई तो आरोपी घर के अंदर घुसकर धारदार हथियार से उनके सिर पर प्रहार करके घायल कर दिया। और लात घूसो से मारने पीटने लगे। बीच बचाव के लिए जब उनकी पुत्री संगीता दौड़ी तो उसे भी मारा पीटा। हल्ला गुहार चीख पुकार सुनकर जब उनके पति श्यामलाल दौड़े।

जानलेवा बने आवारा पशु सिठौली से जखौली तक पशुओ की कतार

रुदौली–अयोध्या(संवाददाता)। खेतों से लेकर सडक तक अवारा जानवरो का आतंक बढ़ता जा रहा है, शासन के नियम कानून जिम्मेदारो की मनमर्जी के आगे गौड़ है सड़को पर चलने वाले राहगीरों का पशुओ की चपेट में आकर चुटहिल होना आम बात है यह नजारा ग्राम पंचायत सिठौली अंतर्गत बुलबुल पुर माइनर नहर के पास अपराह्न 3 बजे का है परन्तु जिम्मेदार गौशाला बनाकर चिरनिद्रा में सो गए है, सिठौली निवासी मुन्नालाल लोधी, भगत, छोटेलाल लोधी, राम बिलाश, राम हेत यादव, बुधराम लोधी, राम सजीवन, रज्जन लाल आदि नें बताया कि शाम होते ही लगभग 100की संख्या में अवारा पशु इसी खेल मैदान में इकट्ठा होकर खेतो की ओर जाते है जिस ओर जाते हैं उस इलाके की फसल बर्बाद कर देते हैं, सभी ग्रामीण अँधेरी रात में 12 बजे तक खेतो की रखवाली करते हैं ग्राम सभा में गौशाला बनकर तैयार हो गयी है परन्तु अधिकारियो की उदासीनता के कारण अभी शुरू नहीं हुईं है जिसे जल्दी चालू कराकर फसलों को बचाने की जरुरत है।

साइकिल से पंचकोसी परिक्रमा कर स्वच्छ अयोध्या सुंदर अयोध्या का दिया संदेश

अयोध्या(संवाददाता)। साइकिल क्लब ने अयोध्या के पर्यटन , पर्यावरण, स्वच्छता एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने जानने के लिए त्रिस्तरीय साइकिल यात्रा का आयोजन किया है। जिसमें आज प्रथम चरण की पंचकोसी साइकिल यात्रा का प्रारंभ सुबह 7 बजे उदया पब्लिक स्कूल के सामने से किया गया। इस साइकिल यात्रा के संयोजक अयोध्या से रामेश्वरम तक साइकिल से यात्रा पूरी करके लौटे अभिषेक सावंत रहे। इस यात्रा में अपनी–अपनी साइकिल लेकर प्रतिभाग किए डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय पुरातन छात्र सभा के अध्यक्ष, पर्यावरणविद, पत्रकार डॉ ओमप्रकाश सिंह और खाकी वाले गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश पुलिस के सब–इंस्पेक्टर रणजीत यादव। अभिषेक सावंत, डॉ ओम प्रकाश सिंह, और रणजीत यादव के थ्री–इडियट्स की इस तिकड़ी ने बारिश की परवाह किये बिना अपने तय समय पर उदया पब्लिक स्कूल के सामने से अपनी पंचकोसी की परिक्रमा साइकिल से शुरू किया। यात्रा के दौरान रास्ते में मिले स्वच्छता ग्राहियों को गले लगाकर उन्हें सम्मान देने के साथ संतो का आशीर्वाद लिया उनके साथ सेल्फी खिंची। रास्ते में मिलने वाले पौराणिक स्थलों का भ्रमण भी किया गया। लोगो से अयोध्या की स्वच्छता और सुंदरता को बनाये रखने की अपील भी किया गया। आज एकादशी पर्व के चलते मध्यप्रदेश और अन्य जगहों से पधारे सन्तजनों द्वारा भी पैदल पंचकोसी परिक्रमा की जा रही थी।

पूरा बाजार की मिट्टी को अमृत कलश से जोड़ने का मिला सौभाग्य : रणधीर सिंह

पूरा बाजार–अयोध्या(संवाददाता)। मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत प्रत्येक मंडल से हर बूथ पर से एक–एक चुटकी माटी इकट्ठी कर अमृत कलश यात्रा की शुरुआत हुई। इस अवसर पर विकासखंड पूरा बाजार के ग्राम सभा जलालुद्दीन नगर से मिट्टी को कलश में ग्रामवासी के घर–घर जाकर लिया। भाजपा के जिला महामंत्री रणधीर सिंह डब्लू ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आजादी के अमृत महोत्सव में प्रवेश कर गया है। कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अमृतकाल के पहले साल में देश में विकास की नई झलक दिखाई दी है। पीएम मोदी ने नए भारत के लिए 140 करोड़ लोगों को अगले 25 साल में बढ़ने का अवसर दिया है। इसके लिए मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत इस अभियान की शुरूआत की गई है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूरा मंडल अध्यक्ष नंद कुमार सिंह, बृजेश सिंह, सुधीर सिंह मुन्ना ,कालिका सिंह ,अजय सिंह समेत कार्यकर्ता व अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सिंचाई विभाग ड्राइंग स्टाफ एसोसिएशन के चुनाव में जिला अध्यक्ष बने राम प्रकाश सिंह

अयोध्या(संवाददाता)। जनपद के सहादतगंज हनुमानगढ़ के निकटअधीक्षण अभियंता एकादशम मंडल सिंचाई कार्यालय के प्रांगण में सिंचाई विभाग ड्राइंग स्टाफ एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जनपद शाखा अयोध्या के तत्वाधान में एक बैठक आहट की गई बैठक की अध्यक्षता महासचिव अमरजीत मिश्रा संचालन राम प्रकाश सिंह किया गया बैठक में मुख्य अतिथि का राम प्रकाश सिंह के द्वारा माला पहनकर व अंग स्मिथ चिन्ह टेकर सम्मानित किया गया बैठक समाप्ति के बाद कार्यकारिणी का गठन किया गया, चुनाव की घोषणा की गई चुनाव में निर्विरोध राम प्रकाश सिंह को जिला अध्यक्ष सचिव मनीष कुमार विश्वकर्मा उपाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव प्रकाशन सचिव रमाकांत कार्यवाहक अध्यक्ष प्रदीप कुमार उप प्रशासन सचिव वसीम खान संप्रेक्षक राजेश कुमार सिंह यो संरक्षक लक्ष्मी नारायण को सब समिति से चुना गया, चुने गए पदाधिकारी को महासचिव अमरजीत मिश्रा व लखनऊ सचिव हरिकांत मिश्रा उप प्रकाशन सचिव केसरी नंदन द्वारा सभी को माला बनाकर गोपनीयता की शपथ दिलाई गई, वहीं जिला अध्यक्ष ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए हर संभव मदद करने का संकल्प लेता हूं जब भी कोई आवश्यकता पड़ेगी तो मैं तैयार हूं, इस अवसर पर सिंचाई विभाग ड्राइंग स्टॉप एसोसिएशन के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति की पताका पूरे विश्व में फहराया : सांसद लल्लू सिंह

पूरा बाजार–अयोध्या(संवाददाता)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने हमें आजादी दिलाने में महती भूमिका अदा किया वहीं दूसरी तरफ स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति कि पताका पूरे विश्व में फहराया जिससे हमारी संस्कृति का लोहा पूरा विश्व मानता है उक्त उदगार प्राथमिक विद्यालय ग्राम पंचायत रसूलाबाद के प्रांगण में नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं राष्ट्रपुंज स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण एवं सम्मान समारोह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि हमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं स्वामी विवेकानंद के पद चिन्हो पर चलकर देश की एकता एवं भारत के गौरव को पूरे विश्व में पहचान दिलाते हुए देश को विश्व गुरु बनाना होगा सांसद लल्लू सिंह ने स्वामी विवेकानंद एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन एवं संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को सराहा। मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस व स्वामी विवेकानंद के प्रतिमा का अनावरण किया इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नीरज राणा बलराम दुबे सुधाकर दुबे अमरदीप गौड़ डॉ अरुण तिवारी हरिशंकर तिवारी व संजय तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किया कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित चंद्रभाल तिवारी व संचालन लोकेश तिवारी ने किया

जन्मदिन मनाओ पेड़ लगाओ कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

सुलतानपुर–संस्थापक कौटिल्य पी एकेडमी कुमारगंज विक्रम का जन्मदिन मनाओ पेड़ लगाओ कार्यक्रम उनके निवास पूरे पल्टन भवानीगढ़ बल्दीराय सुलतानपुर में संपन्न हुआ।विक्रम ने वृक्षा रोपण करने के पश्चात लोगों का आवाह्न करते हुए कहा कि निरोग व स्वस्थ जीवन के लिए शुद्व पर्यावयण बहुत आवश्यक है,इसके लिए कम से कम हर व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।इस कार्यक्रम का आयोजन संविधान जागरूकता मंच बल्दीराय द्वारा किया गया।जगध्यान यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को इस बात हेतु प्रेरित करना है कि जन्मदिन पर लोग पेड़ लगायें।जिस दिन इस भावना को लोग समझ जायेंगे।पेड़ों के प्रति आत्मीयता बढ़ेगी। जिससे पर्यावरण संरक्षित होगा।नन्दलाल वर्मा ने कहा कि पेड़ लगाकर ही शुद्व पर्यावरण का निर्माण किया जा सकता है। रमेश कुमार यादव ने बताया कि इससे धरती हरी भरी होगी,जीवन को शुद्ध वायु मिलेगी। सूर्यभान मिश्रा ने कहा कि जिस देश में जितनी वन सम्पदा होती है वहां के नागरिक उतने ही स्वस्थ व समृद्धिशाली होते हैं।सक्रिय साथियों द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका का वाचन कर समाज में जागरूकता उत्पन्न करने की बात कही गई।इस दौरान अनिल कुमार यादव हरि प्रसाद यादव अमिताभ बच्चन आर्य यादव,चिंटू,मनीषा,श्वेताभा, अभिमन्युसिंह,रामकृपाल,सूरज मणि व सुशील सहित कई सम्मानित साथी उपस्थिति रहे।

थाना हलियापुर पुलिस टीम द्वारा गैंगेस्टर एक्ट के वांछित व ईनामिया अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

संवाददाता

पुलिस अधीक्षक जनपद सुलतानपुर के दिशा– निर्देश व अपर पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन व क्षेत्राधिकारी बल्दीराय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हलियापुर धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में थाना हलियापुर की पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 100ध्2023 धारा 2ध्3 (1) ध्च गैंगेस्टर एक्ट के वांछित व जनपद से 20,000 हजार रूपये का ईनामिया अभियुक्त सन्दीप कुमार उर्फ पिन्टू पाठक पुत्र शम्भूनाथ पाठक नि0 ग्राम भदौलीखुर्द शेराबासी थाना महाराजगंज जनपद अयोध्या को दिनांक 10.09.2023 को गिरफ्तार करके मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला हुआ संपन्न

सुल्तानपुर

रविवार 113 वा मेला,मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ मेला सुल्तानपुर दिनांक 10 सितंबर 2023 जो कि जनपद के सभी 45 प्राथमिक स्वास्थ केंद्रों पर संपन्न हुआ । जिसे जनपद के 72 चिकित्सकों , 360 पेरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से संपन्न कराया गया। जिसमें 2005 जनमानस ने लाभ प्राप्त किया उसमे 812 पुरुष 892 महिलाओं 301 बच्चों ने स्वस्थ लाभ प्राप्त किया 733 की बवअपक स्क्रीनिंग की गई की आरटीपीसीआर बवअपक जांच की गई तथा 8 आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए गया इससे भारी जनता को बड़ा लाभ मिला।

रौजागांव ओवर ब्रिज पर एलपीजी टैंकर में गैस रिसाव से लगी आग, फोम टेंडर से पाया गया काबू

अयोध्या(संवाददाता)। लखनऊ हाईवे पर रौजागांव ओवर ब्रिज पर एक गैस टैंकर में रिसाव के चलते रविवार की भोर लगभग साढ़े चार बजे आग लग गई। मौके की नजाकत को देखते हुए हाईवे पर वाहनों का आवागमन रोकना पड़ा और फायर टेंडर को आग पर काबू पाने के लिए लगाया गया वहीं मुख्यालय से फोम टेंडर भेज आग पर काबू पाया गया है हालांकि गैस का रिसाव अभी जारी है मामले में अग्रिम कार्रवाई के लिए सूचना इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अधिकारियों को दी गई है। बताया गया कि मथुरा गैस प्लांट से एक एलपीजी गैस टैंकर कैप्सूल अयोध्या होते हुए नेपाल जा रहा था हाईवे पर गैस टैंकर कैप्सूल एमएच 46 एच 5057 में गैस का रिसाव होने लगा बरसात के बावजूद जैसे ही गैस टैंकर कैप्सूल रौजागांव के ओवरब्रिज पर चढ़ा कि उसमें आग लग गई वाहन का चालक राम हरिद्वार पुत्र कन्हैयालाल मौके से भागकर किनारे हुआ और मामले की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी जिसके बाद अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया और पुलिस के अधिकारी व जवान मौके पर पहुंच आवागमन को नियंत्रित करने में जुट गए।

वहीं ओवरब्रिज से आवागमन को रोक दिया गया और रुदौली के फायर टेंडर ने आग पर काबू पाने की कवायद शुरू की। अपेक्षित सफलता न मिलने पर फायर सेंटर बाराबंकी के रामसनेही घाट, सोहावल और मुख्यालय सूचना दी गई तो आसपास के फायर टेंडर भी मौके पर पहुंच गए। साथ ही मुख्यालय से फोम टेंडर समेत तीन फायर टेंडर मौके पर पहुंचा और सभी ने चारों तरफ से घेर कड़ी मशक्कत के बाद फोम टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया। सीओ सत्येंद्र भूषण तिवारी का कहना है कि आग पर काबू पा लिया गया है सूचना आईओसी के अधिकारियों को दी गई है। रौजागांव ओवरब्रिज पर एलपीजी गैस टैंकर कैप्सूल में गैस रिसाव के चलते लगी आग के मामले में अग्निशमन और पुलिस के अधिकारी कैप्सूल में धमाके की आशंका को लेकर हलकान रहे। जिसके चलते हाईवे के दोनों लेन पर वाहनों को दूरी पर ही रोक दिया गया फायर टेंडर की ओर से पानी की बौछार के बावजूद आग पर काबू न होने के चलते फोम टेंडर की मदद ली गई, तब जाकर आग काबू में आई हालांकि कैप्सूल से गैस का रिसाव अभी जारी है वहीं रूट डायवर्ट कर वाहनों का आवागमन शुरू करा दिया गया है अग्निशमन विभाग के प्रदीप पांडेय का कहना है कि फोम टेंडर ने आग पर काबू पा लिया है।

वीर अब्दुल हमीद की शहादत दिवस के मौके पर पेश की खिराजे अकीदत

मयाबाजार–अयोध्या(संवाददाता)। मुस्लिम इदरीशी महासभा मया बाजार अयोध्या की टीम की तरफ से आज परमवीर चक्र विजेता भारत रत्न से सम्मानित वीर अब्दुल हमीद के शहादत दिवस के मौके पर अयोध्या जिले के मया ब्लाक के अन्तर्गत गोशाईगंज में पेश की गई खिराजे अकीदत। मुस्लिम इदरीशी महासभा मया ब्लॉक अध्यक्ष मास्टर मुबारक अली इदरीशी जी ने केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही ।

बेटियां जन्मी तो दो पत्नियों को दिया तीन-तलाक, दोनों ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार, जांच में जुटी पुलिस

अलीगढ़(संवाददाता)। जिले में तीन तलाक का एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। जिसमें बेटियों का जन्म होने पर आरोपी ने अपनी दो पत्नियों को तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। जब आरोपी ने तीसरे निकाह की तैयारियां की तो दोनों पत्नियों ने पुलिस से शिकायत की है। आरोपी की दोनों पत्नियों ने एसएसपी कलानिधि नैथानी से मिलकर बताया कि उनका पति आए दिन उनके साथ मारपीट करता था। इसके बाद जब उन्होंने बेटियों को जन्म दिया तो आरोपी ने उन्हें तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़ित महिलाओं की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। संभल जिले के रजपुरा की रहने वाली नसीम बानो ने बताया कि उसका निकाह 5 सितंबर 2016 को अलीगढ़ निवासी एक व्यक्ति से हुआ था। जिसके बाद 12 नवंबर 2017 को बेटी पैदा हुई थी। बेटी पैदा होने के बाद आरोपी का बर्ताव बदल गया और उसने मारपीट शुरू कर दी।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसके साथ मारपीट करता था और उसे आए दिन अलग–अलग तरीके की दवाइंया खिलाया करता था। इसके बाद आरोपी ने उसे उसके घर भेज दिया और कुछ दिन बाद उसे तीन तलाक दे दिया। उसके माता–पिता ने आरोपी को कई बार समझाने की कोशिश की लेकिन आरोपी उसे ले जाने को तैया नहीं हुआ।

अलीगढ़ के बरौली निवासी सोनम ने बताया कि तीन साल पहले उसका निकाह आरोपी के साथ हुआ था। निकाह के समय आरोपी ने खुद को कुंवारा बताया था और मुस्लिम रीति से निकाह किया था। इसके बाद जब वह गर्भवती हुई और उसकी बेटी पैदा हुई तो आरोपी ने मारपीट शुरू कर दी। आरोपी उसके साथ मारपीट करने लगा और लगभग डेढ़ साल पहले उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद आरोपी ने उसे तीन तलाक दे दिया। अब पिछले दिनों उसे पता चला कि आरोपी का पहले भी निकाह हो चुका था और उसने पहली पत्नी को भी बेटी पैदा होने पर ही घर से निकाल दिया था और तीन तलाक दे दिया था। आरोपी की दो शादियों के बारे में दोनों पत्नियों को एक महीने पहले ही पता चला है। जिसके बाद दोनों पत्नियां एक दूसरे से मिली। जिसके बाद उन्हें पता चला कि बेटी के जन्म के बाद आरोपी ने उन्हें मायके भेज दिया और तीन तलाक दे दिया। अब उन्हें शक है कि आरोपी तीसरी शादी की तैयारी कर रहा है। जिसके चलते उन्होंने एसएसपी से शिकायत की है। वहीं एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि पीड़िताओं की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कराई जा रही है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी डिबेटिंग एंड लिटरेरी क्लब ने कैनेडी ऑडिटोरियम में लंबे समय से चली आ रही पारंपरिक वाद–विवाद प्रतियोगिता हेरोल्ड कॉक्स कैम्ब्रिज स्पीकिंग प्राइज के दूसरे दौर का आयोजन किया। प्रारंभ में क्लब की सदस्य अरीबा दिलशाद ने प्रतिभागियों को नियमों से परिचित कराया। मई में आयोजित प्रतियोगिता के पहले दौर में भी 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। उन्हीं प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के दूसरे दौर के लिए बुलाया गया था। यूनिवर्सिटी डिबेटिंग एंड लिटरेरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. सदफ फरीद ने मेहमानों का स्वागत किया और हेरोल्ड कॉक्स कैम्ब्रिज स्पीकिंग प्राइज डिबेट प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यही प्रतियोगिता 'सिडन्स क्लब' द्वारा आयोजित की जाती थी, जिसे अब यूनिवर्सिटी डिबेटिंग एंड लिटरेरी क्लब के नाम से जाना जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि क्लब इस वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर अपने इतिहास को पुनर्जीवित कर रहा है. न्यायाधीशों के पैनल में प्रो. मोहम्मद तारिक छतारी (प्रोफेसर, उर्दू विभाग), प्रो. जावेद एस. अहमद (प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग) और डॉ. शाहबाज अली (सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग) शामिल थे। परंपरा के अनुसार, यूनिवर्सिटी डिबेटिंग एंड लिटरेरी क्लब की सचिव आफिया रिजवी ने उपस्थितजनों के समक्ष प्रस्ताव पेश करके बहस की शुरुआत की, 'यह सदन मानता है।

जेएनएमसी के रेजिडेंट डॉक्टर ने राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी में दूसरा स्थान हासिल किया

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जे.एन. मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के जूनियर रेजिडेंट डॉ. सैयद सोहेब हाशमी ने चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के स्नातकोत्तर संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के सामुदायिक चिकित्सा विभाग और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन फॉर स्टूडेंट्स एडिफिकेशन के दौरान आयोजित एक राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी के अंतिम दौर में दूसरा स्थान प्राप्त किया। डॉ. हाशमी और डॉ. श्रीनाथ केएम (जेआर–3, एम्स, नई दिल्ली) उस टीम में शामिल थे जो राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी में प्रथम उपविजेता बनी।

दोपहर बाद शुरू हुई बारिश से एडीए कालोनी में लोगों का बुरा हाल

अलीगढ़(संवाददाता)। पूरे प्रदेश के साथ अलीगढ़ में भी बारिश का अलर्ट है और जन्माष्टमी से ही लगातार रुक–रुक कर जिले भर में बरसात हो रही है। सोमवार को सुबह से ही अलीगढ़ में मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर होते–होते काले घने बादल छा गए और रिमझिम बरसात शुरू हो गई। शहर के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश भी हुई, जिसके चलते मौसम एक बार फिर सुहावना हो गया। वहीं लगभग 10–15 मिनट तक हल्की बरसात होने के बाद बारिश फिर ठहर गई। हालांकि बारिश और हवा चलने से मौसम ठंडा हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात मिली। अलीगढ़ में गुरुवार से ही बारिश हो रही है। बारिश के कारण शहर की मुस्लिम बाहुल्य आबादी ईदगाह और शाहजमाल में बुरा हाल है। निचला इलाका होने के कारण यहां बारिश का पानी लगातार भरा हुआ है और लोगों के आने जाने का भी रास्ता बंद हो चुका है।ईदगाह, शाहजमाल, शाहजमाल एडीए कालोनी और आसपास के इलाकों में बारिश का पानी लोगों के घरों के अंदर घुस गया है, जिसके कारण लोगों को भीषण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चे घरों के बाहर नहीं निकल पा रहे हैं और आसपास के स्कूल भी बंद हो गए हैं। जिसके कारण लोग लगातार नगर निगम का विरोध कर रहे हैं।

इलाके के लोगों का कहना है कि शाहजमाल ईदगाह क्षेत्र निचला होने के कारण यहां जलभराव की समस्या रहती थी। जिसके चलते इलाके में एक पंपिंग स्टेशन बनाया गया था, जो यहां के पानी को दूर नाले में छोड़ता था। लेकिन अब नगर निगम आसपास की कई कालोनियों का पानी भी इसी

इलाके में छोड़ देता है। आसपास की कालोनियों का पानी भी इसी इलाके में आने के कारण लोगों को बारिश के बाद भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि पानी निकालने के लिएलगातार पंपिंग स्टेशन चल रहा है, लेकिन इलाके में इसकी क्षमता से ज्यादा पानी मौजूद है, जिसके कारण पानी निकलने में परेशानी आ रही है और पूरा इलाका तालाब बना हुआ है। ईदगाह क्षेत्र के आसपास के इलाके में लोग झुग्गी झोपड़ी बनाकर रहते हैं। इलाके में बारिश के बाद घुटने–घुटने तक पानी भरा हुआ है। जिसके कारण लोगों के बैठने तक की जगह नहीं बची है। ऐसे में यहां रहने वाले लोग अपना सामान लेकर दूसरी जगह पर पलायन कर रहे हैं। वहीं यहां की कालोनियों में रहने वाले लोग भी इस समस्या से परेशान हैं। बारिश के जलभराव के कारण कालोनी में गंदगी और बीमारियां पनपने का खतरा बना रहता है। ऐसे में कालोनियों के लोग भी अपने घरों में ताला लगाकर रिश्तेदारों या शहर की दूसरी कालोनियों में जाकर आश्रय ले रहे हैं।

घर से खेलते हुए गायब हुई 5 साल की मासूम,सूचना पर एक्टिव हुई पुलिस, चंद घंटों में ढूंढ़ निकाला

अलीगढ़(संवाददाता)। जिले में सोमवार को घर के बाहर खेल रही एक 5 साल की मासूम बच्ची अचानक से गायब हो गई। बच्ची के गायब होने पर पहले परिजनों ने आसपास उसकी खोजबीन की और इसके बाद तत्काल इसकी सूचना देहलीगेट पुलिस को दी। बच्ची के गायब होने की सूचना पर पुलिस तत्काल एक्टिव हो गई और उच्च अधिकारियों के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। जिसके बाद पुलिस ने कुछ ही घंटों बाद बच्ची को घर से कुछ ही किलोमीटर दूर से बरामद कर लिया। बच्ची खेलते हुए घर से दूर निकल गई थी। जिसके बाद बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। देहलीगेट थाना क्षेत्र के सराय मियां के रहने वाले एक परिवार ने सोमवार को पुलिस को सूचना दी कि उनकी

बेटी घर के बाहर से गायब हो गई है। बच्ची सुबह 9 बजे घर के बाहर खेल रही थी, जिसके बाद अचानक से गायब हो गई। आसपास देखने से भी कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद पुलिस ने उसकी खोजबीन शुरू की। पुलिस ने तत्काल बच्ची की फोटो सभी पुलिस थानों में सर्कुरेट कर दी और वायरलेस पर सूचना प्रसारित की। इसके साथ ही मौके पर पहुंचकर आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए। सीसीटीवी में बच्ची एक से दूसरी ओर जाती नजर आई। जिसके बाद टीमें बच्ची को खोज में जुट गई और उन्हें कुछ देर बाद ही सफलता मिल गई और बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया गया। अलीगढ़ में पिछले कुछ दिनों में बाल अपराध काफी बढ़ गए हैं। अपराधी छोटे और मासूम बच्चों को भी अपना शिकार बना रहे हैं और बच्चों के शारीरिक शोषण के कई मामले सामने आ चुके हैं। जिसके चलते पुलिस ऐसे मामलों में बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरत रही है और तत्काल बच्ची की तलाश शुरू कर दी। सीओ प्रथम अभय कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस को बच्ची के गायब होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद टीमों का गठन कर बच्ची की तलाश की गई और कुछ ही घंटों में बच्ची को बरामद कर लिया गया। बच्ची को सकुशल उसके परिवार को सौंप दिया गया है।

चोरी के करने आए युवक की करंट लगने से मौत

बांदा(संवाददाता)। जिले में आज एक टाइल्स की दुकान में चोरी के इरादे से घुसे चोर की करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी होने पर दुकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आपको बता दें कि मामला शहर कोतवाली के तिंदवारी रोड स्तिथ जॉनसन टाइल्स के शोरूम के पास का है। जहां बीती रात चोरी के इरादे से चोर घुसा था तभी छत से निकली हाइटेंसन लाइन की चपेट में आ गया। जिससे चोर की दर्दनाक मौत हो गई। सुबह जब दुकान मालिक ने जाके देखा तो छत पर चोर का शव जले हुए अवस्था में पड़ा मिला। जिसकी सूचना दुकान मालिक ने तत्काल पुलिस और विद्युत विभाग को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। दुकान मालिक ने बताया कि बगल के मकान निर्माणाधीन है। और इस वक्त मकानों की वायरिंग चोरी करने का गैंग सक्रिय है। इसी के चलते कल रात चोर घुसे और एयरकंडीशनर का तार पाइप काट कर रख लिया और छत पर चढ़ने के लिए प्रयास करने लगे, तभी छत के ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। जिस कारण उसकी मौत हो गई।

झमाझम बारिश में खुली लखनऊ नगर निगम की पोल,सड़क धंसी तो कहीं पूरा मोहल्ला बना तालाब

लखनऊ(संवाददाता)। बारिश ने लखनऊ नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी है। नगर निगम हर साल नाले की सफाई के लिए 5 करोड़ रुपए का बजट जारी करता है। लेकिन पहली झमाझम बारिश में शहर के करीब 100 से ज्यादा इलाकों में घुटने तक पानी भर गया। स्थिति यह है कि दुकान से लेकर घर के अंदर तक पानी भरा हुआ है।अब मेयर से लेकर डीएम, नगर आयुक्त और खुद कमिश्नर जल भराव से छुटकारा दिलाने के लिए शहर में दौड़ लगा रहे हैं। लेकिन यह अधिकारी अगर समय रहते सचेत हुए होते तो यह नौबत नहीं आती है। स्थिति यह है कि कई जगह पर बारिश की वजह से सड़क भी धंस गई है। यहीं नहीं पूरा का पूरा मोहल्ला तालाब में तब्दील हो गया है। साल की शुरुआत में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 और जी– 20 की बैठक के लिए शहर को एक नजीर के तौर पर पेश किया गया था। पर्यटकों को लखनऊ भ्रमण कराया गया था। लेकिन जहां यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 की बैठक और मेहमानों को ठहराया गया, उसके आस– पास के इलाकों में भी पानी भर गया है। ऐसे में एक बार फिर अधिकारियों का भ्रष्टाचार उजागर हो गया है। नगर निगम के पार्षद इस जलभराव से परेशान होकर वॉट्सऐप ग्रुप पर फोटो शेयर कर रहे है। बालागंज वार्ड के पार्षद पंकज पटेल से अपने इलाके की करीब 10 से ज्यादा फोटो नगर निगम के ग्रुपों पर डालकर समस्या बताई है। इसमें लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। कुछ ऐसी ही स्थिति ईस्माइलगंज प्रथम और ईस्माइलगंज द्वितीय वार्ड की भी

है। सुरेन्द्र नगर, पटेल नगर समेत कई इलाकों में चलना दूभर हो गया है। गोमती नगर विस्तार सेक्टर छह सुलभ आवास में भी पानी भर गया है। यहां करीब 1100 परिवार रहते है। उनका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। स्थिति यह है कि लोगों की गाड़ियों में पानी चला गया है। यहां रहने वाले स्थानीय निवासी नवाबुद्दीन ने बताया कि पूरी रात बारिश की वजह से पूरी कॉलोनी में पानी भर गया है। यह कॉलोनी एलडीए की तरफ से एक दशक पहले बनाई गई थी। विशेष प्लानिंग से बनाई गई इस कॉलोनी में भी विभाग जल भराव से निपटने की उचित व्यवस्था नहीं कर पाए है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने पिछले दिनों 100 दिन के कार्यकाल के दौरान अपनी उपलब्धियां बताई थी। उसमें कहा था कि पहली बार ऐसा हुआ कि जल भराव लखनऊ में नहीं हुआ। अब विपक्ष में कांग्रेस के नेता मुकेश सिंह चौहान ने मेयर के दावों को खोखला बताया है। उन्होंने कहा कि इस सीजन पहली बार तेज बारिश हुई शहर के लाखों लोग परेशान हो गए।

बीकेटी में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ,धान की फसल धाराशाई हुई, स्कूल में भरा पानी

लखनऊ(संवाददाता)। बदलते मौसम में लगातार भारी बारिश से बीकेटी तहसील क्षेत्र में जनजीवन अस्त–व्यस्त हुआ। बिजली गिरने से घर में वायरिंग जली और मकान गिर गया है। क्षेत्र की सड़कों पर भरा पानी वहीं सड़क ध्वस्त हुई। क्षेत्र के अधिकांश गांवों में रास्ते जलमग्न हुए। परिषदीय विद्यालयों में भी पानी भर गया। धान की फसल भी जमीन पर धाराशाई हुईं। किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा। जिलाधिकारी ने लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिले के सभी परिषदीय और कक्षा 12 तक के निजी स्कूलों में अवकाश घोषित किया। बख्शी का तालाब क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त हुआ है। क्षेत्र के दिगोई गांव में आकाशीय बिजली गिरने से बालक राम के घर की वायरिंग जली। वहीं इसी गांव में जमुना प्रसाद का घर गिर गया। जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल सुखबीर ने मौके पर निरीक्षण किया। क्षेत्र की अधिकांश सड़क पर भी जल भराव की स्थिति पैदा हो गई है। खंड विकास

क्षेत्र के कठवारा ग्राम पंचायत के मजरा रमगढा में सड़क ध्वस्त हो गई है। यही नहीं भारी बारिश से सरकपुर सरैंया गांव निवासी मेवाराम की धान की फसल भी धाराशाई हो गई हैं। अन्य इलाकों में भी किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं सरकपुर सरैंया और कठवारा गांव के परिषदीय पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में भारी बारिश के चलते जलभराव हो गया है। छात्र अंश ने बताया कि वह इसी स्कूल में पढ़ता है। वह स्कूल में भरे पानी से होकर पढ़ने जाता है। वहीं गांव के दुर्गेश रावत और रामदीन ने बताया कि इस स्कूल में हमेशा पानी भर जाता है। कई दिनों तक पानी नहीं निकलता है। छात्र पानी में होकर पढ़ने जाते हैं।जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने भीषण बारिश के चलते जिले के जिले के कक्षा 12 तक के सभी परिषदीय और निजी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। गौरतलब हो कि बीकेटी क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में निपुण आंकलन परीक्षा भी निरस्त हो गई है। बीकेटी खंड विकास क्षेत्र के कुम्हरावां गांव में स्थित गौशाला में पानी भरने से वहां के गौवंशो को क्षेत्र के टिकारी गांव की गौशाला स्थानांतरित किया गया है।

स्वामी विवेकानंद जी को याद किया

लखनऊ(संवाददाता)। प्रतिवर्ष की भाँति शिकागो की धर्मसंसद मे स्वामी विवेकानंद जी द्वारा हिंदुत्व एवं भारतीय दर्शन पर दिये गये प्रथम भाषण की स्मृति में झण्डेवाला पार्क (अमीनाबाद) में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वन मंत्री अरुण सक्सेना व कार्यक्रम के आयोजक पूर्व नेता विधान परिषद विन्ध्यवासिनी कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर बृजेश पाठक ने स्वामी विवेकानंद जी को याद करते हुये उनके जीवन चारित्र को प्रत्येक मानव को स्वयं मे अंगीकार करने की बात कही। वन मंत्री अरुण सक्सेना ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने हास्न हो रही सनातन संस्कृति का परचम पूरी दुनिया मे पुनर्स्थापित करने का काम किया। कार्यक्रम के आयोजक विन्ध यवासिनी कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने जब पुरे विश्व मे विदेशी संस्कृति का बोलबाला था ,उस समय न केवल पुनह सनातन संस्कृ ति के दर्शन से विश्व को परिचित कराया ,वरन् पुरे विश्व मे हमारी प्राचीनतम सनातन संस्कृति ,वेद ,गीता इनसे ही सम्पूर्ण मानव जाति एवं विश्व का कल्याण होगा ,इस बात की स्वीकार्यता उस सभा मे आए दुनिया भर के विभिन्न मतावलंबीयो को करायी। पार्क में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वन मंत्री अरुण सक्सेना व विन्ध्यवासिनी कुमार ने वृक्षारोपण किया कार्यक्रम मे जयति श्रीवास्तव, वरिष्ठ हाईकोर्ट अधिवक्ता गिरीश चंद्र सिन्हा, अधिवक्ता देवेश कुमार, अधिवक्ता विश्वेष कुमार, किशन लोधी, मनोज श्रीवास्तव, राजीव बाजपेयी, गिरीश गुप्ता, ,अमिताब चक्रवर्ती, अधिवक्ता विकर्ष श्रीवास्तव, मयंक सिन्हा, गणेश राय, नरेन्द्र श्रीवास्तव, विनीत यादव, शैलू सोनकर, राकेश भार्गव, राजेश लोधी सहित उपस्थित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया।

संसद के विशेष सत्र में रोजगार अधिकार विधेयक लाने की अपील

लखनऊ(संवाददाता)। संयुक्त युवा मोर्चा के केंद्रीय टीम सदस्य राजेश सचान ने इंडिया गठबंधन के प्रमुख दलों को पत्र लिखकर18 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के विशेष सत्र में रोजगार अधिकार विधेयक लाने, सार्वजनिक क्षेत्र में एक करोड़ रिक्त पदों को भरने, रोजगार सृजन के लिए कारपोरेट्स पर संपत्ति व उत्तराधिकार कर लगाने, आउटसोर्सिंगध संविदा व्यवस्था खत्म करने, रेलवे–बैकिंग, पोर्ट, शिक्षा–स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निजीकरण पर रोक लगाने जैसे मुद्दों को संसद में उठाने की अपील की गई। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, सीपीएम, सीपीआई, आम आदमी पार्टी, डीएमके, टीएमसी आदि विपक्षी दलों को प्रेषित पत्र में कहा गया है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों से देश में बेइंतहा बेरोजगारी बढ़ी है और हालात बेहद नाजुक हैं। अडानी शेयर घोटाला ताजातरीन उदाहरण है कि किस तरह मोदी सरकार के सहयोग से लूट को अंजाम दिया गया और अडानी की बेइंतहा संपत्ति में इजाफा हुआ। इसी लूट की वजह से मौजूदा संकट पैदा हुआ है। कारपोरेट हितैषी इन आर्थिक नीतियों में बदलाव कर जनहितकारी रोजगार परक अर्थव्यवस्था की जरूरत है। यह भी बताया कि अडानी शेयर घोटाले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच की राष्ट्रपति से मांग को लेकर सोशल मीडिया में अभियान चलाया जा रहा है। काफी संख्या में लोगों के हस्ताक्षर युक्त पत्रक को राष्ट्रपति के आफिसियल एक्स पर पोस्ट कर इस घोटाले को संज्ञान लेने और इस घोटाले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच हेतु हस्तक्षेप की अपील की गई है।

मंडल कारागार में बंद कैदी की मौत,परिजनों ने जेल प्रशासन पर लगाया हत्या का आरोप

बांदा(संवाददाता)। बांदा में मंडल कारागार में एक कैदी अचानक अचेत अवस्था में मिला। जिसे तुरंत जेल प्रशासन ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टर ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं परिजनों ने जेल प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और डॉक्टर पैनल को वीडियोग्राफी के आदेश भी दिए हैं। परिजनों ने अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। आपको बता दें कि जनपद के शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत परशुराम तालाब के रहने वाले अजीत कुमार कुशवाहा बिसंडा थाना इलाके के प्राथमिक विद्यालय में सहायक टीचर (अनुदेशक) था। परिजनों ने बताया कि अजीत पर एक छात्रा ने छेड़खानी का आरोप लगाया था। उसके खिलाफ बिसंडा थाना में छेड़खानी, एससी एसटी और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद 2 मार्च 2023 को जेल भेज दिया गया था। परिजनों ने जमानत की अर्जी डाल रखी थी और सुनवाई भी होनी थी। मगर अब उसकी मौत हो चुकी है। वहीं मृतक के पिता ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता ने कहा कि बेटा बेकसूर था। रक्षाबंधन पर बहन राखी बांधने गई थी, वह एकदम ठीक था और उसे कोई बीमारी नहीं थी। जेल प्रशासन का कहना है कि उसकी हार्ट अटैक से मौत हुई है। सुबह जैसे ही कैदी जमीन पर गिरा, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पार्क में लगे हाथी पर गिरी बिजली, बीजेपी-एमएलसी ट्रैक्टर में बैठकर घर से निकले

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी में लौटता मानसून जमकर बरस रहा है। लखनऊ में 18 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। कभी तेज–कभी रिमझिम। शहर के पॉश इलाके की सड़कों में 2–3 फीट तक पानी भर गया। ज्यादातर कालोनियों में पानी घुस गया। मुख्य सड़कों पर जलभराव के कारण भीषण जाम है। कैब सर्विस का सिस्टम भी ध्वस्त हो गया। लखनऊ में 12 घंटे में 93.9 डड बारिश रिकॉर्ड की गई। राजधानी की भीषण बारिश का अंदाजा इसी से लगाइए कि बीजेपी एमएलसी पवन चौहान के घर के बाहर भी जलभराव हुआ। उन्हें ट्रैक्टर पर बैठकर जाना पड़ा। पूर्व मंत्री मोती सिंह के घर में भी पानी भर गया है। लखनऊ के विराम खंड–5 में मोती सिंह का आवास पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह भी पहुंचे थे। वहीं, अंबेडकर पार्क में लगे हाथी पर बिजली गिर गई। इससे हाथी क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, लखनऊ के अलावा, कानपुर में रविवार से बारिश का दौर जारी है। यहां ब्रह्म स्टील चौराहे के पास जलभराव में एक व्यक्ति की लाश मिली है। आशंका है कि जलभराव में डूबने से मौत हुई है। मुरादाबाद में रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया। लखनऊ के अलावा मुरादाबाद और बाराबंकी में स्कूलों की छुट्ट्टी कर दी गई है। वहीं, मिर्जापुर में नवोदय विद्यालय कैंपस में बिजली गिरने से 7 बच्चे बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बारिश के चलते इटावा में नेशनल हाईवे धंस गया। यहां 8 बड़े स्लैब समेत मिट्टी सर्विस रोड पर गिर गई। भारी बारिश से सीतापुर रोड तरुण मार्केट की दीवार गिर गई। मौसम विभाग ने सोमवार को लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर समेत 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अभी 7 दिन तक ऐसी ही बरसात होगी। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी में बनने वाला नया साइक्लोन है। बारिश ने राजधानी की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। जगह–जगह जलभराव है। लखनऊ डीएम ने लोगों से बेवजह घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। मंडल कमिश्नर रोशन जैकब भी जलभराव का जायजा लेने के लिए आशियाना पहुंचीं। लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में मदारपुर में भट्ठे की चिमनी पर आकाशीय बिजली गिरी। यूपी में बारिश का लगातार तीसरा दिन है। इससे पहले रविवार को भी लखनऊ, मेरठ, अयोध्या, मुरादाबाद, गाजियाबाद और कानपुर समेत कई शहरों में जोरदार बारिश हुई। मुरादाबाद में इतना पानी बरसा कि रेलवे ट्रैक तक डूब गया। सड़कों पर पानी भर गया। रेलवे ने 9 से ज्यादा ट्रेनों को कैंसिल कर दिया।

कच्ची दीवार गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बारिश लोगों पर कहर बन कर टूट रही है। हो रही बारिश से बीती रात कच्चे मकान दीवार गिरने से महिला मलबे में दब गई। परिजनों ने आसपास के लोगों की मदद से उसे मलबे से निकाला सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी मीनाक्षी पांडे मौके पर पहुंची। परिजनों से बात की हर संभव मदद का आश्वासन दिया। तहसील क्षेत्र बेलवा गांव में 55 वर्षीय बुजुर्ग महिला शांति पत्नी बुद्धा रोज की तरह घर पर सो रही थी। तभी बीती देर रात कच्ची दीवाल का मालवा उसके ऊपर गिर गया जिससे वह मलबे में दब गई।

संस्कार भारती की श्री गणेश पूजा महोत्सव इस बार जयशंकर धर्मशाला अलीगढ़ में

श्री गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 19 सितम्बर 2023 दिन मंगलवार को होगा श्री गणेश पूजा महोत्सव का शुभारंभ, सभी तैयारियां पूर्ण

अलीगढ़ (संवाददाता)। संस्कार भारती अलीगढ विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी श्री गणेश पूजा महोत्सव को स्थानीय जयशंकर धर्मशाला, निकट हीरालाल बारहसैनी इंटर कॉलेज, जी टी रोड, अलीगढ़ पर बहुत ही ध ूमधाम से मनाएगी । यह श्री गणेश पूजा महोत्सव मंगलवार 19 सितम्बर 2023 से प्रारंभ होकर 28 सितंबर 2023 तक चलेगा।

संस्कार भारती अलीगढ के पदाधि ाकारियों ने इस गणेश पूजा महोत्सव की विस्तृत जानकारी आगरा रोड स्थित गोल्ड इन लीफ होटल में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में दी।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक एवं श्री गणेश पूजा महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम संयोजक मनोज कुमार पप्पू खलीफा के अनुसार इस गणेश पूजा महोत्सव के लिए राजस्थान के कारीगरों द्वारा निर्मित 10 फुट ऊंची भव्य श्री गणेश प्रतिमा मंगवाई जा रही है।

श्री गणेश पूजा महोत्सव के सर्व व्यवस्था प्रमुख एवं प्रमुख समाजसेवी अमित शेखर सर्राफ के अनुसार इस कार्यक्रम की जबरदस्त तैयारियां चल रही हैं। गणेश पूजा पंडाल को भव्य रुप से सजाया जा रहा है ।अयोध्या मे शीघ्र ही श्री राम जी का भव्य मंदिर का कार्य पूर्ण होने जा रहा है, भक्तों की भावना को देखते हुए इस वर्ष गणेश पूजा पन्डाल मे श्री राम मंदिर की थीम नजर आएगी। साथ ही इस गणेश पूजा के कार्यक्रम में भक्ति के साथ–साथ देश भक्ति एवं अपने भारतीय संस्कृति के भी रस बरसाएंगे।

संस्कार भारती महानगर अलीगढ की महामंत्री रुचि गोटेवाल, व्यवस्थापक विवेक गुप्ता पलक एवम वित्त संयोजक संजय बालाजी के अनुसार 19 सितम्बर 2023 दिन मंगलवार को शाम 6रू30 बजे श्री गणेश जी की विशाल मूर्ति की स्थापना के साथ इस कार्यक्रम का रंगारंग शुभारंभ किया जाएगा। सुप्रसिद्ध भजन गायक ओम सागर भक्ति रस बरसाएंगे।

साथ ही बुद्धवार ,20 सितम्बर 2023 को सांय 7 बजे से रतन वार्ष्णेय मित्र के दिशा निर्देशन मे देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम मां तुझे प्रणाम कार्यक्रम मे देशभक्ति की गंगा बहेगी।

मुख्य कार्यक्रम प्रभारी अजय लिथों, अश्वनी वार्ष्णेय और गौरव पीतल के अनुसार गुरुवार 21 सितम्बर 2023 को सांय 7रू00 बजे भजनों पर आधारित नृत्य प्रतियोगिता में नन्हे मुन्ने बच्चे अपनी कला का परिचय देंगे ।प्रतियोगिता के फार्म आधुनिक स्टेशनर्स अचल ताल से प्राप्त कर वहीं पर जमा किए जा सकते हैं।

22 सितंबर 2023 दिन शुक्रवार को सांय 7 बजे से मीनाक्षी नागपाल के निर्देशन में संगीतिका संगीत एवम नृत्य कला केंद्र आयोजित रामलीला का मंचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

मुख्य कार्यक्रम प्रभारी हीरेन्द्र अग्रवाल, विष्णु हरी गुप्ता, नीटू शर्मा के अनुसार शनिवार 23 सितम्बर 2023 को श्रीमती पूनम सारस्वत के निर्देशन में राधा कृष्ण लीला का भव्य मंचन होगा ।

रविवार 24 सितंबर 2023 को राधा कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का अनुपम आयोजन होगा जिसमें 5 वर्ष से 12 वर्ष तक के बच्चे राधा एवं कृष्ण रूप धारण कर एकल रूप से भाग ले सकते हैं । सोमवार 25 सितम्बर 2023 को सांय 7.00 बजे खाटूश्याम भजन संध्या का कार्यक्रम होगा । श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय के क्रीड़ास्थल पर दिल्ली से आ रही सुप्रसिद्ध भजन गायिका सोनी सिस्टर की जोड़ी खाटू श्याम जी की भक्ति का रस बरसाएंगी।

मुख्य कार्यक्रम प्रभारी घनेन्द्र वार्ष्णेय ,विजय गुप्ता साई एवं सुनील मित्तल के अनुसार 26 सितंबर 2023 दिन मंगलवार को सांय 6, 30 बजे से बाबा नीम करौली जी की भजन संध या का कार्यक्रम रहेगा।

मुख्य कार्यक्रम प्रभारी तरुण वार्ष्णेय एवं अरुण वार्ष्णेय के अनुसार बुधवार 27 सितंबर 2023 को गजानन की महा आरती 500 थालो से की जायेगी साथ मे छप्पन भोग भी समर्पित किये जाएंगे। सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष शर्मा को आमंत्रित किया गया है।

संस्कार भारती अलीगढ महानगर की महामंत्री रुचि गोटेवाल के अनुसार गुरुवार 28 सितंबर को गणेश पूजन एवं विसर्जन शोभायात्रा बहुत ही धूमध ाम से निकाली जाएगी यह विसर्जन शोभायात्रा जयशंकर धर्मशाला से प्रारंभ होकर रामलीला ग्राउंड से दुबे पड़ाव ओवर ब्रिज होते हुए वाहनों के माध यम से राजघाट पहुंचेगी। श्री गणेश जी का विसर्जन राजघाट पर जाकर वैदिक रीति के अनुसार किया जायेगा।

गणेश पूजा महोत्सव को सफल बनाने के लिए अमित शेखर सर्राफ, मनोज पप्पू खलीफा, विवेक गुप्ता पलक, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, रुचि गोटेवाल, संजय बालाजी, अजय लिथो, गौरव वार्ष्णेय पीतल , घनेंद्र वार्ष्णेय , अश्वनी वार्ष्णेय मेटल , हीरेन्द्र अग्रवाल, विष्णु हरि गुप्ता, नीटू शर्मा, सुनील मित्तल, विजय गुप्ता साई, अरुण वार्ष्णेय, तरुण वार्ष्णेय आदि को व्यवस्था सौंपी गयी हैं।

17 सितम्बर को सांय 5 बजे जय शंकर धर्मशाला पर ईको फ्रेंडली श्री गणेश जी की प्रतिमाओं का निशुल्क वितरण किया जाएगा । भक्त गण श्री गणेश जी इस ईको फ्रेंडली पंचगव्य की इस प्रतिमा को प्राप्त करने के लिए सुरेंद्र शर्मा जी से सम्पर्क कर सकते हैं।

डेंटल कालिज में तंबाकू विरोधी जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित

अलीगढ़ (संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. जियाउद्दीन अहमद डेंटल कॉलेज के पेरियोडोंटिया और सामुदायिक दंत चिकित्सा विभाग द्वारा जी20 समापन कार्यक्रमों की श्रृंखला में तंबाकू विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया जिसका उद्देश्य आम जनता के बीच तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता को बढ़ाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जेडएडीसी के प्राचार्य, प्रोफेसर आर.के. तिवारी ने कहा कि तंबाकू का सेवन सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, जिसका मुख स्वास्थ्य और समग्र कल्याण पर गंभीर प्रभा पड़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि तंबाकू विरोधी जागरूकता अभियान लोगों को तंबाकू के उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में शिक्षित और संवेदनशील बनाने में मदद करेगा।

यह अभियान विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक कुमार शर्मा की देखरेख तथा प्रो. नेहा अग्रवाल, डॉ. प्रमोद यादव और डॉ. एस अमान अली के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रोफेसर विवेक शर्मा ने कहा कि जेडएडीसी मुख स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह पहल तंबाकू सेवन के खतरे से निपटने में सामूहिक प्रयासों के महत्व को दर्शाती है। इंटर्न्स मनीष और उस्मान ने शैक्षिक पैम्फलेट के माध्यम से सार्वजनिक जागरूकता उत्पन्न करने में मदद की, जिसमें मुख कैंसर के जोखिम कारकों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी और रोग का शीघ्र पता लगाने और रोकथाम के महत्व पर जोर दिया गया। जागरूकता अभियान के तहत तंबाकू विरोधी बैनर और सार्वजनिक संबोधन प्रणाली के साथ एक मोबाइल वाहन को सार्वजनिक स्थान पर तैनात किया गया, ताकि ऑडियो अभियान द्वारा तम्बाकू के खतरों के संदेशों को व्यापक रूप से फैलाया जा सके।

बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

अलीगढ(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग ने विभाग के तहत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के नव प्रवेशित छात्रों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान संकाय की डीन प्रो. सलमा अहमद ने छात्रों का स्वागत किया और उनसे विभाग में अपना समय विवेकपूर्ण तरीके से बिताने का आग्रह किया।

विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर जमाल अहमद फारूकी ने विभिन्न कार्यक्रमों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम पर चर्चा की और उनसे संबंधि ात महत्वपूर्ण अध्यादेशों के बारे में संक्षेप में बताया। प्रोफेसर जावेद अख्तर ने संकाय सदस्यों और कार्यालय कर्मचारियों का परिचय दिया और छात्रों को बताया कि वे अपने शिक्षकों के अनुभवों से कैसे लाभ उठा सकते हैं। प्रो. वलीद अहमद अंसारी ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक संसाध ानों के स्रोतों पर प्रकाश डाला और बताया कि छात्रों को परिसर से परे दुनिया की तैयारी के लिए विभाग की 'मेंटर–मेंटी' योजना का लाभ कैसे उठाना चाहिए। प्रोफेसर आयशा फारूक, संकाय प्रभारी ने व्यावसायिक कौशल मूल्यांकन, सह–पाठ्यचर्या और पाठ्येतर कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों से 'व्यावसायिक कौशल मूल्यांकन' की समितियों के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया। उद्योग इंटर्नशिप के संकाय प्रभारी प्रोफेसर फेजा तबस्सुम आजमी ने उद्योग इंटर्नशिप के लिए अनिवार्य आवश्यकता के बारे में बताया और यह कैसे छात्रों को उनके पेशेवर करियर के लिए तैयार करता है। उन्होंने 'एंटी–रैगिंग अभियान' की मुख्य विशेषताओं के बारे में भी बताया और प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान करने की सलाह दी। प्रोफेसर सबूही नसीम, संकाय प्रभारी, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट, ने अतीत में प्लेसमेंट टीमों द्वारा किए गए प्रयासों और उनकी उपलब्धि ायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को आगे आने और इन प्रयासों में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

आज के सामाजिक–आर्थिक परिदृ श्य में उद्यमिता के महत्व को समझाते हुए, उद्यमिता संकाय प्रभारी प्रो. परवेज तालिब ने फ्रैंक और डेबी इस्लाम एंटरप्रेन्योरशिप इनक्यूबेशन सेंटर के तहत चलने वाले कार्यक्रमों का वर्णन किया और छात्रों को उद्यमशीलता करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। अंतिम वर्ष के छात्रों, आयशा शम्सी और पुरु यशार्थ ने नए छात्रों का स्वागत किया और उन्हें अनुभव साझा करने और वरिष्ठ बैच के साथ मिलने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अहमद फराज खान ने किया।

धनीपुर मंडी में गल्ला व्यापारियों का धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी रहा जारी

अलीगढ़ (संवाददाता)। जिलले के थाना महुआखेड़ा क्षेत्र में स्थित ध ानीपुर मंडी स्थल पर धरना प्रदर्शन आज तीसरे दिन भी जारी रहा। गल्ला व्यापारियों द्वारा लगातार तीसरे दिन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। दरअसल 12 सितंबर को आढ़तियों द्वारा एक ज्ञापन मंडी सभापति सिटी मजिस्ट्रेट के नाम मंडी सचिव को सोंपा गया था जिसके द्वारा मांगे रखी गई थी उन पर कई अधिकारीयों द्वारा संज्ञान लेते हुए बैठक की गई लेकिन बैठक में कोई उचित परिणाम ना निकलने के चलते यह प्रदर्शन लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। साथ ही गल्ला व्यापारियों ने बताया कि यदि मांगे नहीं मानी गई तो यह धरना प्रदर्शन अनिश्चितकाल तक चलेगा।

मांगें न मानने पर अलीगढ़ की सातों मंडियां अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी

इस मामले जब मंडी सचिव से जानकारी ली गई तो उनके द्वारा बताया गया है कि यह धरना कच्चे और पक्के व्यापारियों के बीच का मामला है जिसमें मंडी समिति के हस्तक्षेप आवश्यक नहीं है लेकिन उसके बाद भी चार बार उच्च अधिकारियों द्वारा वार्ता की गई है।

निकाह करने जा रहे चोर को पुलिस ने दबोचा,हाथरस का रहने वाला है आरोपी

अलीगढ़(संवाददाता)। जिले के अकराबाद थाना क्षेत्र में दुल्हन लेने जा रहे एक दूल्हे को पुलिस ने रास्ते से ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ बारात लेकर शादी करने के लिए जा रहा था, लेकिन बीच रास्ते में ही फोर्स पहुंच गई और उसे गिरफ्तार करके थाने ले आई। आरोपी अलीगढ़ के अकराबाद थाने में चोरी के दो–दो मामलों में नामजद था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी और कई बाद गिरफ्तारी के लिए दबिश भी दे चुकी थी। जब पुलिस को मुखबिर से उसकी शादी की सूचना मिली तो पुलिस ने देरी न करते हुए बारात से ही दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया। सिकंदराराऊ (हाथरस) के बड़ा मुहल्ला निवासी फैसल पुत्र शकील की शादी अलीगढ़ के रोरावर थाना क्षेत्र के भुजपुरा निवासी एक युवती के साथ तय हुई थी। शादी की सारी रस्में पूरी हो चुकी थी और 11 सितंबर को बारात अलीगढ़ आनी थी। जिसके चलते फैसल अपने परिवार के साथ अलीगढ़ आने के लिए निकला था। दूल्हा अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ हाथरस बॉर्डर पार करके अलीगढ़ पहुंचा ही था कि मौके पर अकराबाद पुलिस पहुंच गई। एटा मार्ग पर टोल के पास से पुलिस ने आरोपी दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया और मेहंदी लगे हाथ में हथकड़ी डालकर उसे अपने साथ थाने ले आई और उससे पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि अकराबाद क्षेत्र के कासिमपुर में पिछले महीने कैंटीन का ताला तोड़कर 35 पेटी शराब चोरी की गई थी, जिसके बाद चोर मौके से फरार हो गए थे। पुलिस को मौके से बाइक और मोबाइल फोन बरामद हुआ था, जिसके बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। इसके साथ ही अकराबाद क्षेत्र में 9 सितंबर को भी एक चोरी हुई थी, जिसमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। मोबाइल और बाइक से पुलिस को अरोपी के बारे में पता चला था, जिसके बाद पुलिस आरोपी दूल्हे की तलाश कर रही थी। जब पुलिस को आरोपी की सूचना मिली तो उसे तत्काल दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद युवक के दर्जनों रिश्तेदार और परिवार के लोग थाने पहुंच गए और थाने में जमावड़ा लगा रहा। देर रात तक परिवार के लोग पुलिस से युवक को छोड़ने की बात कहते रहे, लेकिन पुलिस ने आरोपी को नहीं छोड़ा और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। जिसके बाद परिवार के लोग खाली हाथ लौट आए। जिसके बाद परिवार के लोगों को दुल्हन और उसके परिवार के लोगों की इज्जत की बात सताई। ऐसे में परिवार के लोगों ने आपसी सहमति के बाद दुल्हे के बड़े भाई चांद मियां के साथ दुल्हन का निकाह करा दिया। जिससे कि दुल्हन पक्ष की समाज में फजीहत न हो। सीओ बरला सर्जना सिंह ने बताया कि आरोपी ने अकराबाद थाना क्षेत्र में चोरियां की थी। आरोपी मौके पर अपना मोबाइल और बाइक छोड़कर भाग गया था। जिससे उसके बारे में सुराग मिला था। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उससे पूछताछ की गई। पुलिस की पूछताछ में आरोपी दुल्हे ने पुलिस को सारी जानकारी दी, जिसके बाद उसकी निशाहदेही पर पुलिस ने चोरी की गई शराब की पेटियां, तंबाकू का कट्ष्टा बरामद किया गया है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है, जल्दी ही अन्य आरोपी भी पुलिस की हिरासत में होंगे।

भारत की जी20 अध्यक्षता के अन्तर्गत निबंध प्रतियोगिता आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। जी20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता को लेकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र–छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। जी20 शिखर सम्मेलन की थीम, 'वसुधैव कुटुंबकम – एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' पर अंग्रेजी में निबंध ा लिखकर हुदा सुल्तान ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि कुलसुम रेजा और अयमन हसनैन को क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार मिला ।हिंदी भाषा वर्ग के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार पविका माहेश्वरी, द्वितीय पुरस्कार खुशबू और तृतीय पुरस्कार रहमत जहां को मिला। उर्दू निबंध लेखन प्रतियोगिता में अनस रजा खान ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि अबू माज और शैरीन खान को क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार मिला। साहित्यिक कार्यक्रम के विजेताओं और अन्य प्रतिभागियों को बधाई देते हुए विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुजीबुल हसन सिद्दीकी और निबंध प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. मोहम्मद शाकिर ने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करते हैं और उन्हें अपने साहित्यिक कौशल को निखारने में मदद करते हैं।

ग्राम पंचायत की पोखर में ग्रामीणों ने देखा मगरमच्छ, ग्रामीण एक से ज्यादा की कह रहे बात

अलीगढ़ (संवाददाता)। जिले में एक बार फिर मगरमच्छ की दशहत फैल गई है। इस बार जवां ब्लाक के गांव दहेली के पोखर में मगरमच्छ देखने को मिला है। जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल क्षेत्रिय प्रशासन और अधिकारियों को दी है और उनसे कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते दिनों बारिश के दौरान यह मगरमच्छ कहीं बाहर से आ गया है। जिसके बाद ग्रामीणों ने उसे देखा था। लोगों को देखकर वह दुबारा पोखर के अंदर चला गया। जिसके कारण लोगों में डर का माहौल है। क्योंकि गांव के बच्चे इस पोखर के पास खेलते हैं और वह इनके लिए खतरा बन सकता है। गांव के लोगों ने बताया कि जवां के दहेली गांव में ग्राम पंचायत का 12 बीघे का पोखर है। इसी में पिछले कुछ दिनों से मगरमच्छ नजर आ रहा है। गांव के कुछ लोगों ने इसे देखने के बाद इसकी वीडियो भी बना ली थी, जिसके बाद से दशहत का माहौल है।

लोगों ने इसकी सूचना तत्काल क्षेत्रिय प्रशासन और पुलिस को दी। मगरमच्छ की सूचना पर क्षेत्रिय पुलिस के साथ टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन वहां मगरमच्छ नहीं मिला। जिसके बाद टीम वापस लौट गई थी। हालांकि वन विभाग की टीम मगरमच्छ को पकड़ने के लिए पोखर के आसपास काम करने में जुट गई है। गांव के लोगों का कहना है कि पोखर काफी बड़ा है। इसमें बारिश का पानी भी भरा हुआ है, जिसके कारण इसमें ठीक से देखा नहीं जा सकता है। लेकिन पोखर के अंदर एक से ज्यादा मगरमच्छ भी हो सकते हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इसमें दो या तीन मगरमच्छ भी हैं। उनका कहना है कि गांव के बच्चे अक्सर पोखर के पास जाकर खेलते रहते हैं। इसके साथ ही उनके पशु भी पोखर के आसपास जाकर चारा खाते हैं और घूमते हैं। ऐसे में यह मगरमच्छ उनके लिए खतरा बन सकता है। अगर यह पोखर से निकलकर गांव में आ गया तो किसी के लिए भी खतरा बन जाएगा। जवां से पहले शहर के नई बस्ती इलाके में मगरमच्छ की दशहत थी। यहां के पोखर में हर साल मगरमच्छ देखा जाता था, लेकिन टीम उसे पकड़ नहीं पाती थी। इसके बाद यह सीसीटीवी में घूमता हुआ कैद हो गया था और लोगों ने यह फुटेज वन विभाग और प्रशासन को दिए थे। जिसके बाद टीम ने इलाके में जाल बिछाए थे और लगातार कई दिनों तक टीम मगरमच्छ को पकड़ने के लिए वहां मौजूद रहती थी। जिसके लगभग 10 दिन बाद मगरमच्छ को पकड़ लिया गया था। मगरमच्छ को पकड़े जाने के बाद इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली थी। डीएफओ दिवाकर कुमार वशिष्ठ ने बताया कि मगरमच्छ की सूचना मिली है। उसे पकड़ने के लिए टीमें लगाई जाएंगी। पोखर के आसपास जाल लगाया जाएगा, जिससे जल्द से जल्द मगरमच्छ को पकड़ लिया जाए।

3 दिन से लापता युवक का मिला शव, हत्या की आशंका

अलीगढ़(संवाददाता)। जिले के सासनीगेट थाना क्षेत्र में पिछले तीन दिन से लापता युवक का शव मंगलवार को गंदे नाले में पड़ा मिला। नाले में शव देखकर इलाके के लोगों ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालवा कर शिनाख्त शुरू की। जिसके बाद मृतक की पहचान सासनीगेट क्षेत्र के भुजपुरा निवासी युवक के रूप में हुई है। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद युवक के परिवार जन मौके पर पहुंच गए और उनका रो–रो कर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। भुजपुरा निवासी आरिफ (29) तीन दिन पहले अपने घर से नाराज होकर निकला था। वह नशे का आदी था और इसी बात को लेकर उसकी घर में कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद वह नाराज होकर घर से निकल पड़ा था। घर से निकलने के बाद जब वह घर नहीं लौटा तो परिजन परेशान हुए। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी और इसकी सूचना पुलिस को दी थी। जिसके बाद पुलिस और परिजन युवक की तलाश कर रहे थे। मंगलवार को उसका शव नाले में पड़ा मिला है। जिसके बाद परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। हालांकि पुलिस हर पहलु की जांच कर रही है, जिससे मौत के स्पष्ट कारणों का पता चल सके।

शव की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। शव पूरी तरह से नग्न अवस्था में था जिसके बाद यह आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या की गई और फिर उसे नाले में फेंक दिया गया है। हालांकि पुलिस पोस्टमार्टम की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। सीओ प्रथम अभय कुमार पांडेय ने बताया कि शव का पोस्टमार्टक कराया जा रहा है, जिससे मौत के कारण स्पष्ट हो सके। परिजनों की तहरीर के आध ार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही सारे पहलुओं की जांच की जा रही है। जल्दी ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।